NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2024

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - निम्न में से समुदाय की विशेषता कौन-सी है?

(A) एक निश्चित क्षेत्र से संबंधित

(B) अपनेपन की मजबूत भावना

(C) एक मूर्त अस्तित्व

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

अथवा

समाजशास्त्र में समाज व्यक्तियों के बीच बन रहे _____ के योग की ओर संकेत करता है।

(A) संबंधों

(B) संस्थाओं

(C) संघों

(D) समुदायों

उत्तर - (A) संबंधों

प्रश्न 2 - निम्न में से मार्क्स द्वारा बताई गई समाजवादी समाज की विशेषता कौन-सी है?

(A) आदर्श समाज

(B) वर्गों का वर्गीकरण न हो

(C) कोई संघर्ष न हो

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

अथवा

जब अभौतिक संस्कृति शीघ्रता से भौतिक परिवर्तनों से तालमेल नहीं रख पाती, तब उसका नतीजा _____ होता है।

(A) प्रसार

(B) संस्कृति-संक्रमण

(C) सांस्कृतिक पिछड़ापन

(D) एकांत

उत्तर - (C) सांस्कृतिक पिछड़ापन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 3 - चुनाव (निर्वाचन) _____ के बीच एक राजनैतिक संवाद कायम करते हैं।

(A) लोगों

(B) राजनैतिक पार्टियों

(C) शासक और शासित

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (C) शासक और शासित

प्रश्न 4 - निम्न में से नगरीय समाज की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता कौन-सी है?

(A) विवाह

(B) नातेदारी

(C) गुमनामी

(D) व्यक्तित्व

उत्तर - (C) गुमनामी

प्रश्न 5 - निम्न में से क्या लोगों के द्वारा अपने विशिष्ट लक्ष्य की पूर्ति के लिए बनाया गया है?

(A) संघ

(B) समाज

(C) समुदाय

(D) पड़ोस

उत्तर - (A) संघ

प्रश्न 6 - 1920 नातेदार हमेशा एक-दूसरे से रक्त या विवाह द्वारा जुड़े नहीं होते हैं अपितु कई बार बोलचाल में इन्हें नातेदार माना जाता है। ऐसे नातेदार _____ कहलाते हैं।

(A) समरक्त

(B) वैवाहिक

(C) काल्पनिक

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (C) काल्पनिक

अथवा

नातेदार की निकटता के आधार पर दिए गए उदाहरण का प्रकार बताइए, उदाहरण—पिता के भाई की पत्नी, पिता की बहन का पति, इत्यादि।

(A) प्राथमिक

(B) द्वितीयक

(C) तृतीयक

(D) भाई-बहनों के बच्चे

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (B) द्वितीयक

प्रश्न 7 - सन् 2001 की प्राथमिक जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में _____ लोग साक्षर हैं।

(A) 62% **(B) 64%**

(C) 65% **(D) 33%**

उत्तर - (B) 64%

प्रश्न 8 - हमारे देश में पहली शिक्षा नीति सन् _____ में लागू की गई।

(A) 1960 **(B) 1980**

(C) 1784 **(D) 1967**

उत्तर – 1968 (यह विकल्प नहीं दिया गया है, किन्तु हमारे देश में पहली शिक्षा नीति सन् **1968** में लागू की गई थी।)

अथवा

सन् 1991 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से किस राज्य की साक्षरता दर सबसे ऊँची थी?

(A) ओडिशा **(B) बिहार**

(C) केरल **(D) कर्नाटक**

उत्तर - (C) केरल

प्रश्न 9 - निम्न में से उस कारण को चुनिए, जो सामाजिक स्तरीकरण की एक प्रणाली के रूप में वर्ग के बारे में सही नहीं है।

(A) गैर-वंशानुगत **(B) अपने वर्ग से ऊपर उठने की मनाही**

(C) सगोत्र विवाह का गंभीरता से पालन न करना **(D) उपलब्धियाँ और कौशल महत्त्वपूर्ण हैं**

उत्तर - (B) अपने वर्ग से ऊपर उठने की मनाही

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 10 - निम्न में से उस टर्म को चुनिए जो समाज द्वारा समाज के सदस्यों के आचरण के लिए निर्धारित नियमों और मानदंडों को परिभाषित करता है।

(A) कानून

(B) आचार-विचार

(C) प्रथाएँ

(D) परम्पराएँ

उत्तर - (A) कानून

अथवा

एक जर्मन समाजशास्त्री फर्डिनेन्ड टोनीज़ ने किसकी बात की थी?

(A) पूँजीपति वर्ग

(B) जैमिनशाफ्ट

(C) जेसेलशाफ्ट

(D) (B) और (C) दोनों

उत्तर - (D) (B) और (C) दोनों

प्रश्न 11 - भारत जिन प्रमुख मुद्दों का सामना कर रहा है, उनमें से एक है

(A) निरक्षरता

(B) जनसंख्या विस्फोट

(C) दहेज

(D) ऐल्कोहॉलिज्म

उत्तर – (B) जनसंख्या विस्फोट

अथवा

दहेज, भाई-भतीजावाद, बेईमानी इत्यादि किस प्रकार के भ्रष्टाचार हैं?

(A) सामाजिक

(B) राजनीतिक

(C) प्रशासनिक

(D) व्यावसायिक

उत्तर – (A) सामाजिक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 12 - निम्न में से कौन-सा भारतीय सामाजिक व्यवस्था के प्रासंगिक दृष्टिकोण या क्षेत्र दृष्टिकोण को परिभाषित करता है?

(A) जाति

(B) वर्ण

(C) कास्ट

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (C) कास्ट

प्रश्न 13 - जाति भेदभाव के अपने शोध में डेनियल ने जातीय भेदभाव की सीमा का पता _____ में लगाना चाहा।

(A) ब्रिटेन

(B) फ्रांस

(C) भारत

(D) दक्षिण अफ्रीका

उत्तर - (D) दक्षिण अफ्रीका

अथवा

एक समाज का पूर्ण अध्ययन तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक उसकी तुलना दूसरे _____ से न की जाए।

(A) लोगों

(B) संघों

(C) समाजों

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (C) समाजों

प्रश्न 14 - किस प्रणाली की शुरुआत के माध्यम से गाँवों में स्थानीय स्वशासन का निर्माण किया गया है?

(A) पंचायती राज

(B) न्यायपालिका प्रणाली

(C) आरक्षण प्रणाली

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (A) पंचायती राज

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 15 - निम्न में से कौन-सा समूह जाति प्रणाली का आंतरिक अंग नहीं है?

(A) अनुसूचित जातियाँ

(B) अनुसूचित जनजातियाँ

(C) पिछड़े वर्ग

(D) अन्य पिछड़े वर्ग

उत्तर - (C) पिछड़े वर्ग

अथवा

बहुत समय से अनुसूचित जनजातियाँ अपनी पहचान के लिए चेतन रही हैं, इसलिए उन्होंने _____ के खिलाफ आंदोलन चलाए।

(A) जमींदारों

(B) जागीरदारों

(C) ब्रिटिश राज

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 16 - निम्न में से किस समूह को अपने स्तर (प्रस्थिति) को संस्कृतिकरण करने की इजाजत नहीं है?

(A) ब्राह्मण

(B) अछूत

(C) उच्च जातियाँ

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (B) अछूत

प्रश्न 17 - एक पड़ोस या गाँव निम्न में से किसका बहुत अच्छा उदाहरण है?

(A) समुदाय

(B) समाज

(C) शहरीकरण

(D) संघ

उत्तर - (A) समुदाय

अथवा

एक समाज को व्यक्तियों के समूह या समुच्चय के रूप में निम्न में से किसने परिभाषित किया?

(A) समाजशास्त्री

(B) राजनैतिक वैज्ञानिक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) साधारण व्यक्ति **(D) मानवशास्त्री**

उत्तर - (A) समाजशास्त्री

प्रश्न 18 - किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(a) दामाद और ससुर की नातेदारी का उदाहरण है।

उत्तर - वैवाहिक

(b) निकटता पर आधारित नातेदारी के अनुसार हमारे प्रथम कोटि के नातेदार के प्राथमिक नातेदार हमारे _____ नातेदार होते हैं।

उत्तर - द्वितीयक

(c) नातेदारी पद, जिनका उपयोग हम किसी अप्रत्यक्ष व्यक्ति के लिए करते हैं उन्हें _____ कहते हैं।

उत्तर - संदर्भसूचक पद

प्रश्न 19 -किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(a) सरल आदिवासी समाज में कोई कठोर _____ नहीं होता।

उत्तर - सामाजिक स्तरीकरण

(b) धर्म का वह रूप, जहाँ आदिवासी किसी जड़ पदार्थ जैसे पत्थर या लकड़ी को पूजते हैं, उसे _____ के नाम से जाना जाता है।

उत्तर - टोटमवाद

(c) आदिवासी अपने आप को मिट्टी की संतान मानते हैं इसलिए उनके अंदर एक मजबूत _____ पहचान की भावना है।

उत्तर - जातीय

प्रश्न 20 - निम्न में से किन्हीं पाँच रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

(a) संयुक्त परिवार, जो विस्तृत है और इसमें परिवार के भाई एक ही छत के नीचे रहते हैं, है _____।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - संयुक्त

(b) किबुत्ज एक अनोखी परिवार प्रणाली है जो _____ में पाई जाती है।

उत्तर - इज़राइल

(c) ऐसे परिवार का समूह, जिसमें पति-पत्नी और दोनों तरफ के रिश्तेदार हों, है _____।

उत्तर - वैवाहिक

(d) वह पद, जो किसी एक विशेष नातेदारी की श्रेणी पर लागू होता है, है _____।

उत्तर - विशिष्ट

(e) एक व्यक्ति के मातृ और पितृ दोनों वंशक्रमों को दर्शाने वाला पद _____ कहलाता है।

उत्तर - द्विपक्षीय

(f) दो नातेदारों के बीच जब कोई प्रत्यक्ष रूप से बातचीत नहीं होती है, बल्कि तीसरे व्यक्ति के माध्यम से सम्बोधन होता है, तो उसे _____ कहते हैं।

उत्तर - अप्रत्यक्ष

(g) एक ऐसे नातेदारों का समूह, जो एक समान पूर्वज अथवा वंश से परिचित कड़ियों के माध्यम से संबद्ध होते हैं, है _____।

उत्तर - वंश

प्रश्न 21 – सही या गलत लिखिए (कोई दो)

(a) प्रकृति की लय, रात और दिन का चक्र, बुआई, कटाई के मौसम आदि उतार-चढ़ाव (दोलायमान परिवर्तन) के प्रतीक हैं।

उत्तर - सत्य ✅

(b) संघर्ष के सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक प्रकार की क्रिया, विश्वास और अन्तर्क्रिया एक विपरीत प्रतिक्रिया को जन्म देने का प्रयत्न करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - सत्य ✅

(c) सामाजिक परिवर्तन एक विश्वव्यापी प्रक्रिया है।

उत्तर - सत्य ✅

प्रश्न 22 – सही या गलत लिखिए (कोई तीन) :

(a) प्रत्येक समूह संरचनात्मक रूप से संगठित है।

उत्तर - असत्य ❌ (कुछ समूह अनौपचारिक और असंरचित भी हो सकते हैं)

(b) नामपद्धति सामाजिक समूह की विशेषता नहीं है।

उत्तर - असत्य ❌ (नामकरण समूह की पहचान का हिस्सा होता है)

(c) परिवार एक समिति के रूप में एक समूह है जबकि एक संस्था के रूप में समूह नहीं है।

उत्तर - सत्य ✅

(d) किसी औपचारिक नियम की उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति में समूह को औपचारिक या अनौपचारिक समूह में परिभाषित किया जा सकता है।

उत्तर - सत्य ✅

(e) खुला समूह वह है जिसकी सदस्यता ऐच्छिक नहीं होती है।

उत्तर - असत्य ❌ (खुला समूह वह होता है जिसमें सदस्यता इच्छा से ली जाती है।)

प्रश्न 23- किन्हीं चार के उत्तर दीजिए (दावा, तर्क) :

(i) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : क्रमिक विकास की गतिशील दिशा जटिल स्थिति से साधारण की ओर नहीं लौटाई जा सकती।

तर्क (R) : क्रमिक विकास एक अपरिवर्तनीय प्रक्रिया है।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(ii) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : सामाजिक परिवर्तन मूल्य-तटस्थ प्रक्रम नहीं है।

तर्क (R) : विभिन्न लोगों की विषयगत या व्यक्तिगत पसंद को सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन में महत्त्व नहीं दिया जाता।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(विषयगत या व्यक्तिगत पसंद को सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन में महत्व दिया जाता है)

(iii) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : फ्रांस की राज्यक्रांति में सम्राट की सत्ता एकदम समाप्त हो गई थी।

तर्क (R) : मौजूदा सामाजिक व्यवस्था को अचानक और आकस्मिक उखाड़ फेंके जाने की स्थिति क्रांति होती है।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(iv) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : विकास की अवधारणा हाल ही के वर्षों में विकसित नहीं हुई है।

तर्क (R) : यह एक अनियोजित सामाजिक परिवर्तन की रणनीति होती है।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (A) (A) सही है, पर (R) गलत है (विकास योजित परिवर्तन है, अनियोजित नहीं)

(v) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : समाजीकरण एक सामाजिक प्रक्रिया है।

तर्क (R) : यह बच्चे की शारीरिक और मानसिक वृद्धि और विकास में सहायता करती है।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (C) (A) और (R) दोनों सही हैं

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(vi) निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : समाजीकरण के माध्यम विद्यालय, परिवार, सामाजिक प्रतिमान तथा समाज के नैतिक मूल्य होते हैं।

तर्क (R) : ये समतामूलक शक्तियाँ हैं

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(ये हमेशा समानता या समतामूलक नहीं होते।)

प्रश्न 24 - कॉलम—A का कॉलम—B से मिलान कीजिए (कोई चार) :

कॉलम-A	कॉलम-B
(a) परिवार जिसमें व्यक्ति का जन्म हुआ है	(i) परिवार के प्रकार्य
(b) निवास स्थान पर आधारित परिवार का प्रकार	(ii) अभिविन्यास का परिवार
(c) बच्चों का समाजीकरण और संस्कृतिकरण	(iii) शहरीकरण
(d) ऐसे परिवार, जिनमें पति और पत्नी दोनों की आय होती है, लेकिन उनका कोई बच्चा नहीं होता	(iv) मातुल स्थानीय (एवन्क्युलोकल)
(e) एक कारण जो परिवार में परिवर्तन लाता है	(v) यह एक परिवारवादी संगठन
(f) भारत में संयुक्त परिवार है एक	(vi) DINKS

उत्तर -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

कॉलम-A	कॉलम-B
(a) परिवार जिसमें व्यक्ति का जन्म हुआ है	(ii) अभिविन्यास का परिवार
(b) निवास स्थान पर आधारित परिवार का प्रकार	(iv) मातुल स्थानीय (एवन्क्युलोकल)
(c) बच्चों का समाजीकरण और संस्कृतिकरण	(i) परिवार के प्रकार्य
(d) ऐसे परिवार, जिनमें पति और पत्नी दोनों की आय होती है, लेकिन उनका कोई बच्चा नहीं होता	(vi) DINKS
(e) एक कारण जो परिवार में परिवर्तन लाता है	(iii) शहरीकरण
(f) भारत में संयुक्त परिवार है एक	(v) यह एक परिवारवादी संगठन है

प्रश्न 25 - नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर दिए गए किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यहूदी धर्म के मानने वालों को यहूदी कहते हैं। पुराने भारतीय यहूदियों के घर या आवास कोचीन एवं महाराष्ट्र में हैं। कोचीन के यहूदियों ने अपनी पहचान कम-से-कम एक मिलेनियम से बना रखी है। कहते हैं कि 1020 शताब्दी में कोचीन के राजा ने यहूदियों को जीवन-निर्वाह का अधिकार व विशेष अधिकार दिए थे। इन विशेष अधिकारों में हाथी की सवारी और राजकीय छतरी को लेकर चलना था। बाद में ये यहूदी दो समूहों में बँट गये—पहला समूह श्वेत यहूदी जिनकी त्वचा सफ़ेद थी और जो अपने आपको मौलिक यहूदी मानते थे, दूसरा समूह वह जिनका रंग काला था।

महाराष्ट्र में यहूदियों की संख्या अधिक है। ये बेने इजराइल यानी इजराइल के पुत्र कहलाते हैं। कोंकणी भाषा बोलने वाले कुछ गाँवों में ये रहते हैं और तेल का धंधा करते हैं क्योंकि तेली का धंधा प्रतिष्ठित व्यवसाय नहीं है, इन्हें गाँवों में ऊँचा दर्जा नहीं दिया जाता है। ये शनिवार को काम नहीं करते अतः इन्हें शनिवारी तेली भी कहते हैं।

(a) यहूदियों के धर्म का नाम लिखिए।

उत्तर - यहूदी धर्म

(b) पुराने समय में भारत में यहूदियों की बस्तियों के नाम लिखिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - कोचीन और महाराष्ट्र

(c) कोचीन के राजा द्वारा यहूदियों को दिए गए अधिकारों व विशेष अधिकारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - जीवन-निर्वाह का अधिकार, हाथी की सवारी करने का अधिकार, और राजकीय छतरी लेकर चलने का विशेष अधिकार

(d) 'श्वेत यहूदी' और 'काले यहूदी' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

- **श्वेत यहूदी:** जिनकी त्वचा सफ़ेद थी और जो अपने आपको मौलिक यहूदी मानते थे।
- **काले यहूदी:** जिनका रंग काला था और वे अलग समूह में थे।

(e) महाराष्ट्र के यहूदी क्या कहलाते थे?

उत्तर - बेने इजराइल (इजराइल के पुत्र)

(f) महाराष्ट्र के यहूदी 'शनिवारी तेली' भी क्यों कहे जाते थे?

उत्तर - क्योंकि वे शनिवार को काम नहीं करते थे और तेल का धंधा करते थे।

“ खण्ड-ख”

(SECTION—B)

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 80 से 120 शब्दों में लिखिए :

प्रश्न 26: समाजशास्त्र में कार्यक्षम विधि (प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य) क्या है?

उत्तर: समाजशास्त्र में कार्यक्षम विधि एक दृष्टिकोण है, जो सामाजिक व्यवस्था और संतुलन पर जोर देता है। इसके अनुसार जिस तरह हमारे शरीर में हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क अलग-अलग कार्य करते हैं लेकिन जीवन बनाए रखने के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं, उसी तरह समाज में परिवार, शिक्षा, धर्म और अर्थव्यवस्था जैसे विभिन्न अंग समाज की स्थिरता के लिए मिलकर काम करते हैं। यहां हर अंग का एक विशिष्ट कार्य होता है। एमिल दुर्खीम और हर्बर्ट स्पेंसर इसके प्रमुख विचारक थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 27: अनुलोम और प्रतिलोम विवाह में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

तुलना का आधार	अनुलोम विवाह (Hypergamy)	प्रतिलोम विवाह (Hypogamy)
शाब्दिक अर्थ	'अनु' का अर्थ है 'अनुकूल' या 'सीधा'।	'प्रति' का अर्थ है 'विपरीत' या 'उल्टा'।
वर (पुरुष) की स्थिति	पुरुष उच्च जाति या उच्च सामाजिक श्रेणी का होता है।	पुरुष निम्न जाति या निम्न सामाजिक श्रेणी का होता है।
वधू (स्त्री) की स्थिति	स्त्री निम्न जाति या निम्न श्रेणी की होती है।	स्त्री उच्च जाति या उच्च श्रेणी की होती है।
पारंपरिक मान्यता	हिंदू धर्मशास्त्रों और स्मृतियों में इसे एक सीमा तक स्वीकार किया गया था।	प्राचीन काल में इसे शास्त्र-विरुद्ध और सामाजिक अपराध माना जाता था।
सामाजिक प्रतिष्ठा	इसमें कन्या का परिवार उच्च कुल से जुड़कर अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाता है।	इसे समाज की मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था और प्रायः दंड या बहिष्कार का कारण बनता था।
संतति (संतान) का स्थान	बच्चों को पिता की जाति या समाज में सम्मानजनक स्थान मिलता था।	प्राचीन काल में ऐसी संतानों को निम्न श्रेणियों (जैसे चांडाल) में रखा जाता था।

अथवा

'लोगों में प्राकृतिक गैर-बराबरी' और 'सामाजिक गैर-बराबरी' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

विशेषता	प्राकृतिक गैर-बराबरी	सामाजिक गैर-बराबरी
परिभाषा	जन्मजात भिन्नताएँ जैसे आयु, लिंग, शारीरिक शक्ति, बुद्धि	समाज द्वारा निर्मित असमानताएँ जैसे धन, शक्ति, सामाजिक स्थिति, अवसर
उत्पत्ति	प्रकृति द्वारा निर्धारित	समाज और सामाजिक संस्थाओं द्वारा निर्मित

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेषता	प्राकृतिक गैर-बराबरी	सामाजिक गैर-बराबरी
परिवर्तन की संभावना	बदलना कठिन या असंभव	नीतियों और सामाजिक सुधारों से बदली जा सकती है
उदाहरण	शारीरिक ताकत, बुद्धि, लिंग, आयु	जाति व्यवस्था, आर्थिक वर्ग, नस्लीय भेदभाव

प्रश्न 28: कार्ल मार्क्स के अनुसार, शासक वर्ग और सेवा वर्ग में क्या अंतर होता है?

उत्तर: कार्ल मार्क्स के अनुसार, समाज दो मुख्य वर्गों में विभाजित है। पहला **'शासक वर्ग' (बुर्जुआ)** है, जिसका उत्पादन के साधनों (जैसे कारखाने, भूमि) पर नियंत्रण होता है। वे समाज की विचारधारा और राजनीति को नियंत्रित करते हैं। दूसरी ओर, **'सेवा वर्ग' या श्रमिक वर्ग (सर्वहारा) होता है,** जिसके पास उत्पादन के साधन नहीं होते। वे जीवित रहने के लिए अपनी श्रम शक्ति शासक वर्ग को बेचते हैं। इन दोनों के बीच हितों का टकराव रहता है, जिसे मार्क्स **'वर्ग संघर्ष'** कहते हैं।

प्रश्न 29: मण्डल कमीशन, जो 1979 में गठित हुआ था, उसका उद्देश्य और सिफारिश क्या थीं?

उत्तर: मण्डल कमीशन का गठन बी.पी. मंडल की अध्यक्षता में 'पिछड़े वर्गों' (OBC) की पहचान करने और उनके उत्थान के लिए किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य उन समूहों की पहचान करना था जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ गए थे। इसकी प्रमुख सिफारिश यह थी कि अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 27% आरक्षण दिया जाए। इसका लक्ष्य ऐतिहासिक अन्याय को दूर करना और इन वर्गों को मुख्यधारा में लाना था।

प्रश्न 30: लोकाचार सामाजिक नियंत्रण एजेंट के रूप में किस प्रकार काम करते हैं?

उत्तर: लोकाचार (Mores) समाज में गहरे पैठे हुए वे नैतिक नियम हैं, जो व्यवहार की उचितता और अनुचितता का निर्धारण करते हैं। सामाजिक नियंत्रण के एक शक्तिशाली 'अनौपचारिक एजेंट' के रूप में, ये केवल आदतों या जनरीतियों (Folkways) तक सीमित नहीं होते, बल्कि समाज के अस्तित्व और कल्याण के लिए अनिवार्य माने जाते हैं।

लोकाचार व्यक्ति के व्यवहार पर आंतरिक और बाहरी दोनों तरह से नियंत्रण रखते हैं। इनका उल्लंघन करने पर समाज अत्यंत गंभीर प्रतिक्रिया देता है, जैसे कि कठोर निंदा या सामाजिक बहिष्कार। चूँकि ये नियम समूह की नैतिकता और मूल्यों से जुड़े होते हैं, इसलिए व्यक्ति इन्हें तोड़ने से डरता है। इस प्रकार, लोकाचार समाज में

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अनुशासन सुनिश्चित करते हैं, सामाजिक ढांचे को स्थिरता प्रदान करते हैं और कानून के अभाव में भी व्यक्तियों को एक व्यवस्थित जीवन जीने के लिए बाध्य करते हैं।

प्रश्न 31: गरीबी के राजनैतिक कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: किसी भी विकासशील राष्ट्र की प्रगति में गरीबी सबसे बड़ी बाधा है, जिसके लिए केवल आर्थिक कारक ही नहीं, बल्कि देश की राजनीतिक संरचना और नीतियां भी समान रूप से जिम्मेदार होती हैं।

गरीबी के राजनैतिक कारण :

- **राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी:** गरीबी उन्मूलन के लिए कड़े निर्णय लेने और योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव गरीबी का एक प्रमुख कारण है।
- **भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद:** प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और बेईमानी के कारण गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ उन तक नहीं पहुँच पाता है ।
- **अस्थिर सरकारी नीतियां:** बार-बार बदलती सरकारों और उनकी अस्थिर आर्थिक नीतियों के कारण विकास कार्य बाधित होते हैं, जिससे गरीबी की समस्या बनी रहती है।
- **दोषपूर्ण वितरण प्रणाली:** संसाधनों और अवसरों का असमान वितरण राजनीतिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है, जिससे समाज का एक बड़ा वर्ग आर्थिक लाभों से वंचित रह जाता है।
- **कानून और व्यवस्था की स्थिति:** राजनीतिक अस्थिरता या कमजोर कानून व्यवस्था के कारण निवेश कम होता है और रोजगार के अवसर नहीं बन पाते, जो अंततः गरीबी को बढ़ावा देता है।

अथवा

जनसंख्या संक्रमण की दूसरी अवस्था का वर्णन कीजिए।

उत्तर: जनसंख्या संक्रमण सिद्धांत की दूसरी अवस्था को 'जनसंख्या विस्फोट' का काल माना जाता है। इस चरण की मुख्य विशेषता मृत्यु दर में तीव्र गिरावट और जन्म दर का उच्च बने रहना है। इस अवस्था में वैज्ञानिक प्रगति, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और महामारियों पर प्रभावी नियंत्रण के कारण मृत्यु दर तो कम हो जाती है, लेकिन सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से जन्म दर में कमी आने में समय लगता है। जन्म और मृत्यु दर के बीच का यह बढ़ता अंतर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

जनसंख्या में भारी वृद्धि करता है। विकासशील देशों में शिक्षा का अभाव और बड़े परिवार की पारंपरिक सोच इस अवस्था को और लंबा खींच देती है। भारत लंबे समय तक इसी चुनौतीपूर्ण अवस्था का उदाहरण रहा है।

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 से 200 शब्दों में लिखिए:

प्रश्न 32: समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र के बीच संबंध का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों सामाजिक विज्ञान की ऐसी शाखाएँ हैं जो मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करती हैं। इनके संबंधों को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से बेहतर समझा जा सकता है:

- **पारस्परिक पूरकता:** जहाँ अर्थशास्त्र धन के उत्पादन, वितरण और उपभोग (Economic activities) का विश्लेषण करता है, वहीं समाजशास्त्र उन सामाजिक समूहों और संस्थाओं का अध्ययन करता है जिनके भीतर ये क्रियाएँ होती हैं।
- **आर्थिक क्रियाओं का सामाजिक आधार:** समाज की परंपराएँ, धर्म और रीति-रिवाज़ अक्सर आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, दिवाली या ईद जैसे त्योहारों पर बाजार की मांग बढ़ना एक आर्थिक घटना है, लेकिन इसका मूल कारण 'सामाजिक' है।
- **सामाजिक स्तरीकरण का प्रभाव:** समाज में प्रचलित जाति या वर्ग व्यवस्था यह निर्धारित करती है कि किन समूहों को रोजगार और संसाधनों के बेहतर अवसर मिलेंगे। अक्सर आर्थिक असमानता का कारण सामाजिक भेदभाव होता है।
- **साझा समस्याएँ:** गरीबी, बेरोजगारी और जनसंख्या वृद्धि जैसी समस्याएँ केवल आर्थिक नहीं हैं। इनके पीछे सामाजिक कारण (जैसे अशिक्षा या रूढ़िवादिता) होते हैं, जिन्हें समझने के लिए दोनों विषयों का ज्ञान आवश्यक है।

प्रश्न 33: साक्षात्कार आँकड़े एकत्र करने की एक तकनीक है, इस पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: साक्षात्कार प्राथमिक आँकड़े एकत्र करने की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी विधि है। इसमें शोधकर्ता और उत्तरदाता के बीच आमने-सामने मौखिक संवाद होता है। इस तकनीक की मुख्य विशेषता यह है कि इसके माध्यम से न केवल उत्तर प्राप्त किए जाते हैं, बल्कि उत्तरदाता के हाव-भाव, चेहरे के भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव का भी अवलोकन किया जा सकता है।

साक्षात्कार दो प्रकार के होते हैं: 'संरचित' (जिसमें प्रश्न पहले से तय होते हैं) और 'असंरचित' (जो एक सामान्य बातचीत की तरह होता है)। इस विधि का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें जटिल और व्यक्तिगत विषयों पर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

गहराई से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यदि उत्तरदाता किसी प्रश्न को समझ नहीं पाता, तो शोधकर्ता उसे तुरंत स्पष्ट कर सकता है। हालांकि, यह विधि समय लेने वाली है और इसमें शोधकर्ता के व्यक्तिगत विचारों का प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है।

प्रश्न 34. पश्चिमीकरण की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: एम. एन. श्रीनिवास के अनुसार, पश्चिमीकरण वह प्रक्रिया है जिसने ब्रिटिश शासन के दौरान और उसके बाद भारतीय समाज की संस्कृति और संस्थाओं में व्यापक बदलाव लाए। इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं:-

1. **वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण:** अंधविश्वासों के स्थान पर तर्क और विज्ञान को महत्व देना।
2. **मानवतावाद:** जाति, धर्म या लिंग के भेदभाव के बिना सभी मनुष्यों को समान समझने की भावना का विकास।
3. **संस्थागत परिवर्तन:** नई कानूनी व्यवस्था, आधुनिक शिक्षा प्रणाली, प्रेस और प्रशासनिक ढांचे का उदय।
4. **तकनीकी विकास:** रेडियो, रेल, डाक और आधुनिक मशीनों के उपयोग में वृद्धि।
5. **जीवनशैली में बदलाव:** खान-पान (जैसे मेज-कुर्सी पर खाना), पहनावा (जैसे सूट-बूट) और बोलचाल में अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग।
6. **धर्मनिरपेक्षता:** जीवन के सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में धर्म के प्रभाव का कम होना।

प्रश्न 35. "विद्यालय और शैक्षणिक संस्थाएँ समाजीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।" विवेचना कीजिए।

उत्तर: परिवार के बाद विद्यालय और शैक्षणिक संस्थाएँ समाजीकरण के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। यहाँ बच्चा 'अनौपचारिक' पारिवारिक वातावरण से निकलकर 'औपचारिक' सामाजिक दुनिया में प्रवेश करता है।

विद्यालय में बच्चा केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन, समयबद्धता और नियमों का पालन करना सीखता है। यहाँ विभिन्न जातियों, धर्मों और वर्गों के बच्चों के साथ रहने से उसमें सहिष्णुता, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। शिक्षक बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' का कार्य करते हैं, जो उनके नैतिक और सामाजिक मूल्यों को आकार देते हैं। इसके अलावा विद्यालय बच्चों को भविष्य की व्यावसायिक भूमिकाओं के लिए तैयार करता है और उन्हें नागरिक अधिकारों व कर्तव्यों का ज्ञान देता है। इस प्रकार, विद्यालय बच्चे के व्यक्तित्व को समाज के अनुरूप ढालने और उसे एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

परिवार समाजीकरण का एक माध्यम है। उल्लेख कीजिए।

उत्तर: परिवार समाजीकरण का सबसे पहला और प्रमुख माध्यम है। परिवार में ही बालक जन्म के बाद भाषा, व्यवहार, संस्कार, मूल्य, परंपराएँ और सामाजिक नियम सीखता है। माता-पिता, दादा-दादी तथा अन्य सदस्य बालक को प्रेम, सहयोग, अनुशासन और उत्तरदायित्व का ज्ञान देते हैं। परिवार के माध्यम से व्यक्ति समाज में सही-गलत, नैतिकता, धार्मिक आस्था तथा सामाजिक भूमिकाओं को समझता है। यहीं से उसमें सामाजिक समायोजन, सहयोग और सहनशीलता के गुण विकसित होते हैं। इस प्रकार परिवार व्यक्ति को सामाजिक जीवन के लिए तैयार करता है और समाज से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

प्रश्न 36. सामाजिक नियंत्रण के अभिप्राय (उद्देश्य) का वर्णन कीजिए।

उत्तर: सामाजिक नियंत्रण का मुख्य उद्देश्य **समाज में व्यवस्था और स्थिरता** बनाए रखना है। इसके द्वारा व्यक्तियों को समाज के नियमों, नैतिक मूल्यों और परंपराओं के अनुरूप व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया जाता है। सामाजिक नियंत्रण यह सुनिश्चित करता है कि लोग आपसी सहयोग, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का पालन करें, जिससे संघर्ष और अराजकता से बचा जा सके। यह समाज में समानता और न्याय की भावना को बनाए रखता है और सामाजिक परिवर्तन को नियंत्रित करता है। सामाजिक नियंत्रण के माध्यम से व्यक्तियों को समाज के लक्ष्यों के प्रति जिम्मेदार बनाया जाता है और समाज में सामूहिक जीवन आसान और सुरक्षित बनता है। इसके अतिरिक्त, यह अपराध और असामाजिक गतिविधियों को रोकने में भी मदद करता है।

अथवा

सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक और औपचारिक साधनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सामाजिक नियंत्रण के माध्यम समाज में नियम, अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके दो मुख्य साधन हैं: **अनौपचारिक और औपचारिक।**

अनौपचारिक साधन में परिवार, मित्र समूह, पड़ोस और सामाजिक आदतें शामिल हैं। ये व्यक्ति के व्यवहार को सामाजिक मानदंडों और नैतिक मूल्यों के अनुसार ढालते हैं। उदाहरण के लिए, परिवार और मित्र समूह द्वारा प्रशंसा, आलोचना या अपमान जैसी प्रतिक्रियाएँ व्यक्तियों को सही या गलत का बोध कराती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

इसके विपरीत, **औपचारिक साधन** जैसे कानून, पुलिस, न्यायपालिका और सरकारी नियम समाज में अनुशासन और स्थिरता बनाए रखने के लिए बनाए जाते हैं। ये कानूनी और संगठनात्मक स्तर पर प्रभाव डालते हैं। अनौपचारिक साधन व्यक्तिगत और सांस्कृतिक रूप से काम करते हैं, जबकि औपचारिक साधन समाज के बड़े समूह और संस्थाओं पर लागू होते हैं। दोनों साधन मिलकर समाज को सुव्यवस्थित और स्थिर बनाए रखते हैं।

प्रश्न 37. अनुसूचित जनजातियाँ अपनी पहचान के संकट से क्यों जूझ रही हैं, उचित कारणों से औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर: अनुसूचित जनजातियाँ आज अपनी सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के संकट का सामना कर रही हैं। इसके कई कारण हैं।

1. औपनिवेशिक शासन और बाद में आधुनिक विकास योजनाओं के कारण उनकी जमीन और प्राकृतिक संसाधनों में कमी आई, जिससे उनका पारंपरिक जीवन प्रभावित हुआ।
2. शहरीकरण और आधुनिक शिक्षा के प्रभाव से उनके पारंपरिक सामाजिक ढांचे कमजोर हुए हैं, जिससे उनके समुदायिक संगठन में कमी आई है।
3. समाज में उनके प्रति भेदभाव और सामाजिक पिछड़ापन आज भी उनके अधिकारों और अवसरों को सीमित करता है।
4. कई बार रोजगार, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी में भी उन्हें समान अवसर नहीं मिलते है।
5. इन सभी कारणों से अनुसूचित जनजातियाँ अपनी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक अधिकारों की रक्षा करने में असमर्थ हो रही हैं, और उन्हें अपने समुदाय के अस्तित्व और पहचान को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

प्रश्न 38. जीवन-साथी के वरण के लिए विवाह के निषेधात्मक नियमों की चर्चा कीजिए।

उत्तर: विवाह में जीवन-साथी के चयन पर कई सामाजिक और धार्मिक नियम लागू होते हैं।

- सबसे प्रमुख नियम है **सगोत्र विवाह निषेध**, जिसके अनुसार एक ही कुल या वंश के व्यक्तियों के बीच विवाह नहीं किया जा सकता। इसका उद्देश्य वंश की पवित्रता और सामाजिक पहचान बनाए रखना है।
- **नातेदारी निषेध** में पिता, माता, भाई-बहन या चचेरे रिश्तेदार के बीच विवाह निषिद्ध होता है, ताकि पारिवारिक रिश्तों में अस्पष्टता और संघर्ष से बचा जा सके।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- कई समाजों में विवाह केवल उसी **जाति या धर्म के भीतर** ही होने चाहिए, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक एकता बनी रहती है। इसके साथ ही आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी विवाह में चयन को प्रभावित करती है।

इन नियमों का मुख्य उद्देश्य केवल व्यक्तिगत चयन पर नियंत्रण नहीं बल्कि समाज, परिवार और समुदाय की **परंपरा, संस्कृति और स्थिरता** बनाए रखना है। ऐसे नियम समाज में अनुशासन और सामाजिक संतुलन

अथवा

कार्ल मार्क्स के 'शासक वर्ग' के बारे में दिए गए विचारों से अलग वेबर की आलोचना पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: कार्ल मार्क्स के अनुसार शासक वर्ग वे लोग होते हैं जो उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण रखते हैं। ये आर्थिक शक्ति के माध्यम से समाज में प्रभुत्व कायम करते हैं और सेवा वर्ग या मजदूर वर्ग की श्रम शक्ति का शोषण करते हैं। मार्क्स का दृष्टिकोण मुख्यतः आर्थिक आधार पर केंद्रित है और वर्ग संघर्ष को समाज परिवर्तन का मुख्य कारण मानता है।

वहीं, **मैक्स वेबर** ने शासक वर्ग की परिभाषा को केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रखा। वेबर के अनुसार शासक वर्ग वे लोग हैं जिनके पास संसाधन, राजनीतिक सत्ता, सामाजिक प्रतिष्ठा और अवसरों का नियंत्रण होता है। इसका अर्थ है कि वर्ग निर्धारण केवल संपत्ति पर नहीं बल्कि सामाजिक प्रभाव और अधिकार पर भी आधारित है। वेबर ने यह दिखाया कि किसी व्यक्ति या समूह की सत्ता समाज में उनके निर्णय, प्रभाव और अधिकारों से भी जुड़ी होती है।

इस प्रकार, मार्क्स और वेबर के विचार में अंतर यह है कि मार्क्स केवल आर्थिक नियंत्रण को शासक वर्ग का आधार मानते हैं, जबकि वेबर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक कारकों को जोड़कर वर्ग की व्यापक व्याख्या करते हैं।

प्रश्न 39. जनसंख्या विस्फोट की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का वर्णन कीजिए। (कोई पाँच बिंदु)

उत्तर: जनसंख्या विस्फोट का अर्थ है किसी देश या क्षेत्र में लोगों की संख्या का अत्यधिक तेज़ी से बढ़ना। भारत जैसे विकासशील देशों में यह एक गंभीर समस्या बन गई है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. यह समस्या **आवास और बुनियादी सुविधाओं की कमी** को जन्म देती है। अधिक जनसंख्या के कारण पर्याप्त घर, स्कूल, अस्पताल और साफ पानी जैसी सुविधाएँ सभी तक नहीं पहुँच पातीं। परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्रों में झुग्गी-झोपड़ी और असुरक्षित आवास बढ़ते हैं।
2. **बढ़ती जनसंख्या** के कारण काम की मांग बढ़ जाती है, जबकि रोजगार के अवसर सीमित रहते हैं। इससे बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएँ जन्म लेती हैं। यह स्थिति विशेषकर युवा पीढ़ी को प्रभावित करती है, जिससे अपराध और तनाव बढ़ सकते हैं।
3. स्कूलों और कॉलेजों में **पर्याप्त संसाधन नहीं** होने से शिक्षा का स्तर घटता है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर बढ़ता दबाव बीमारियों और मृत्यु दर को बढ़ाता है। विशेषकर ग्रामीण और गरीब क्षेत्रों में यह स्थिति और गंभीर होती है।
4. जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव **भूख और कुपोषण** पर भी पड़ता है। अधिक लोगों के कारण खाद्य सामग्री की मांग बढ़ती है, जबकि उत्पादन और वितरण समान नहीं होता। इससे गरीब परिवारों में पोषण की कमी, बच्चों में वृद्धि संबंधी समस्याएँ और बुजुर्गों में स्वास्थ्य संकट बढ़ता है।
5. अंततः, जनसंख्या विस्फोट **पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव** डालता है। जल, जंगल, खनिज और भूमि जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन होता है। इससे प्रदूषण, जल संकट, भूमि क्षरण और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

इस प्रकार, जनसंख्या विस्फोट न केवल आर्थिक विकास को प्रभावित करता है बल्कि सामाजिक असमानता और जीवन स्तर पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। इसे नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी योजनाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।

प्रश्न 40. परिवार के कार्यों में आए परिवर्तनों को पहचानिए और उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर: परिवार सामाजिक जीवन का मूल संगठन है। समय के साथ समाज में हुए आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के कारण परिवार के कार्यों में कई बदलाव आए हैं।

1. **आर्थिक कार्यों में बदलाव** – पारंपरिक परिवारों में परिवार का मुख्य उद्देश्य था अपने सदस्यों के लिए आजीविका सुनिश्चित करना। खेती, हस्तशिल्प और घरेलू उद्योग प्राथमिक आजीविका के साधन थे। आज के समय में, परिवार का आर्थिक कार्य बदलकर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिक जीवनशैली के लिए संसाधन जुटाना बन गया है। अब परिवार के सदस्य विविध व्यवसायों और नौकरी के माध्यम से परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **सामाजिक और संस्कृतिकरण में बदलाव** – पहले परिवार समाजीकरण का मुख्य माध्यम था, जहाँ बच्चों को परंपरा, रीति-रिवाज और सामाजिक मूल्य सिखाए जाते थे। अब विद्यालय, शिक्षा संस्थान और डिजिटल माध्यम भी बच्चों के समाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिवार केवल प्राथमिक संस्कार प्रदान करता है, जबकि आधुनिक समाजीकरण बहुआयामी और व्यापक हो गया है।

3. **स्नेह और मानसिक सहारा** – पहले परिवार में भावनात्मक समर्थन के लिए बड़े परिवार और सहस्त्रों के सदस्य मौजूद रहते थे। अब छोटे परिवारों और घटते संयुक्त परिवारों में स्नेह और मानसिक सहारा सीमित हो गया है। परिवार अब मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक विकास पर भी ध्यान देता है, जो पहले सामाजिक और धार्मिक समुदाय द्वारा अधिक सुनिश्चित किया जाता था।

4. **लिंग और भूमिकाओं में बदलाव** – पारंपरिक परिवारों में पुरुष मुख्य आर्थिक उत्तरदायी और महिला घरेलू कार्यों में सीमित रहती थी। आज के परिवार में लिंग भूमिकाओं में समानता आई है। महिलाएँ भी शिक्षा और नौकरी के माध्यम से आर्थिक योगदान देती हैं। इससे परिवार में निर्णय लेने और संसाधनों के प्रबंधन की भूमिकाएँ समान रूप से बंट रही हैं।

5. **विकास और देखभाल का बदलता स्वरूप** – पहले परिवार बुजुर्गों और बच्चों की देखभाल का मुख्य साधन था। अब सामाजिक सेवाएँ, वृद्धाश्रम और बाल संरक्षण संस्थान परिवार के कुछ कार्यों को साझा करने लगे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा और देखभाल के क्षेत्र में परिवार की भूमिका बदल गई है, जबकि उसकी मौलिक जिम्मेदारी बनी रहती है।

इस प्रकार, परिवार आज भी समाज का आधार है, लेकिन इसके पारंपरिक कार्य आधुनिक परिस्थितियों के अनुसार बदल गए हैं।

अथवा

संयुक्त परिवार को परिभाषित कीजिए। संयुक्त परिवार प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: संयुक्त परिवार वह परिवार होता है जिसमें कई पीढ़ियों के सदस्य एक साथ रहते हैं और जीवन की आवश्यकताओं, संसाधनों और जिम्मेदारियों को साझा करते हैं। इसमें माता-पिता, बच्चे, दादा-दादी और कभी-कभी चाचा-चाची और भतीजे-भतीजियाँ शामिल होते हैं।

1. **साझा संसाधन और जीवन** – संयुक्त परिवार में साझा संसाधन और जीवन प्रमुख विशेषता है। परिवार के सभी सदस्य भोजन, आवास, धन और अन्य आवश्यक संसाधनों का साझा उपयोग करते हैं। इस साझा जीवन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

के माध्यम से परिवार में सहयोग, समझदारी और परस्पर समर्थन को बढ़ावा मिलता है। सभी सदस्य अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करते हैं, जिससे परिवार के भीतर एकता और सामंजस्य बना रहता है।

2. **सामाजिक सुरक्षा और समर्थन** – सामाजिक सुरक्षा और समर्थन भी संयुक्त परिवार की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह आर्थिक और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है। बुजुर्गों की देखभाल, बच्चों की परवरिश और जरूरतमंद सदस्यों की मदद परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा सुनिश्चित की जाती है। इस प्रकार, संयुक्त परिवार हर सदस्य के लिए जीवन में स्थिरता और सुरक्षा का एक मजबूत आधार बनता है।

3. **नियम और अनुशासन** – संयुक्त परिवार में नियम और अनुशासन का पालन महत्वपूर्ण होता है। परिवार के मुखिया और बुजुर्ग निर्णय लेने और परिवार का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। परिवार की परंपराओं, संस्कारों और नियमों का पालन सभी सदस्यों से अपेक्षित होता है। यह अनुशासन परिवार में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और सामाजिक मूल्य एवं नैतिकताओं का संचार करता है।

4. **सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान** – संयुक्त परिवार सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का माध्यम भी है। यह परिवार के सदस्यों को उनके सामाजिक वर्ग, जाति और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ता है। इससे केवल सामाजिक स्थिरता ही नहीं बनती, बल्कि परिवार के भीतर आपसी संबंध और समझदारी भी मजबूत होती है। संयुक्त परिवार सदस्यों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध कराता है और समाज के बड़े नेटवर्क से जोड़ता है।

इस प्रकार, संयुक्त परिवार न केवल परिवार के भीतर सहयोग, सुरक्षा और अनुशासन को सुनिश्चित करता है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पारंपरिक संरचना आधुनिक जीवन में भी अपने महत्व को बनाए रखती है, विशेषकर जब सामाजिक और आर्थिक बदलते परिवेश में बच्चों और बुजुर्गों के लिए सहयोग की अधिक आवश्यकता होती है।

"वैकल्पिक मॉड्यूल-I"

(महिलाओं का सामाजिक स्तर)

प्रश्न 41. बाल विवाह निरोधक अधिनियम, 1929 किस सुधारक के नाम के साथ जुड़ी है?

(A) राजा राम मोहन राय

(B) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

(C) हरबिलास शारदा

(D) दयानंद सरस्वती

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (C) हरबिलास शारदा

42. महाराष्ट्र में दलित लड़कियों के लिए पहले विद्यालय की स्थापना किसने की?

(A) महर्षि कर्वे **(B) ज्योतिबा फुले**

(C) बी० आर० अंबेडकर **(D) पंडिता रमाबाई**

उत्तर - (B) ज्योतिबा फुले

43. स्त्रियों का अधिकार स्व-अर्जित सम्पत्ति पर है और स्त्रियों को पुश्तैनी सम्पत्ति पर समान अधिकार है। यह किस अधिनियम के अंतर्गत आता है?

(A) दहेज निषेध अधिनियम, 1961 **(B) समान वेतन अधिनियम, 1976**

(C) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 **(D) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956**

उत्तर - (D) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956

अथवा

निम्नलिखित में से कौन-से अधिनियम के अनुसार पुरुष व स्त्री को समान काम करने के लिए समान वेतन का प्रावधान है?

(A) दहेज निषेध अधिनियम, 1961 **(B) समान वेतन अधिनियम, 1976**

(C) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 **(D) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956**

उत्तर - (B) समान वेतन अधिनियम, 1976

44. सन् 2001 की जनगणना के अनुसार, भारत में लिंग अनुपात _____ है।

उत्तर - 933 स्त्रियाँ प्रति 1000 पुरुष

45. महाभारत की मुख्य नायिका _____ को एक साहसी और स्वतन्त्र स्त्री के रूप में रखा है।

उत्तर - द्रौपदी

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

_____ के युग में बाल-विवाह को बढ़ावा दिया जाता था और विधवा विवाह को हीन दृष्टि से देखा जाता था।

ब्राह्मणिक

46. ऐसा विवाह, जिसमें एक व्यक्ति की एक से अधिक पत्नियाँ हों (एक शब्द में परिभाषित कीजिए)

उत्तर - बहुपत्नी विवाह

अथवा

_____ बताता है, प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या।

उत्तर - लिंगानुपात

47. महिलावादी ऐसी अवधारणाओं को काम में लाते हैं जैसे कि पितृसत्तात्मकता, पुरुष प्रभुत्व, स्त्री अधीनस्थता आदि जिनसे लैंगिक भेदभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उत्तर - सही ✅

48. संगठित और असंगठित क्षेत्रों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: संगठित क्षेत्र: संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी स्थायी रूप से नियुक्त होते हैं और उन्हें नियमानुसार वेतन, पेंशन, बीमा और अन्य सुविधाएँ मिलती हैं। इसमें काम का समय निर्धारित होता है और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा कानून द्वारा सुनिश्चित की जाती है। **उदाहरण**: सरकारी कार्यालय, बड़ी कंपनियाँ, बैंक।

असंगठित क्षेत्र: असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी अस्थायी या अनुबंध पर काम करते हैं और उन्हें नियमित सुविधाएँ नहीं मिलती। उनका वेतन कम और असुरक्षित होता है, काम का समय अनियमित होता है और कानूनी सुरक्षा कम होती है। **उदाहरण**: घरेलू कामगार, दैनिक मज़दूर, छोटे दुकानदार।

अथवा

किन परिस्थितियों के अंतर्गत लैंगिक समानता को प्राप्त किया जा सकता है?

उत्तर: लैंगिक समानता तब संभव है जब महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर, शिक्षा, रोजगार, वेतन और सामाजिक अधिकार मिलें। इसके अलावा, पितृसत्तात्मक सोच और सांस्कृतिक भेदभाव को कम किया जाए, महिलाओं की भागीदारी सरकारी और सामाजिक निर्णयों में बढ़ाई जाए और कानूनी सुरक्षा प्रभावी हो।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

49. 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने यह बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि लैंगिक भेदभाव को शिक्षा व्यवस्था से एकदम हटा देना चाहिए पर अभी तक यह कायम है। इसके कारण लिखिए। (कोई पाँच बिंदु)

उत्तर: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के बावजूद लैंगिक भेदभाव जारी रहने के कारण :-

1. **सामाजिक एवं सांस्कृतिक मान्यताएँ –** कई समाजों में अब भी लड़कियों को शिक्षा में कम महत्व दिया जाता है और परंपरागत सोच के अनुसार लड़कियों का घर तक सीमित रहना उचित माना जाता है।

2. **पितृसत्तात्मक सोच –** परिवार और समाज में पुरुषों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे लड़कियों को अवसरों और संसाधनों में बराबरी नहीं मिलती।

3. **अपर्याप्त संसाधन और सुविधाएँ –** लड़कियों के लिए पर्याप्त स्कूल, शौचालय, परिवहन और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित होती है।

4. **साक्षरता और जागरूकता की कमी –** माता-पिता और समुदाय में लैंगिक समानता के महत्व की जानकारी कम है, इसलिए लड़कियों को शिक्षा में उतना समर्थन नहीं मिलता।

5. **सुरक्षा और भय –** स्कूल जाने में सुरक्षा की समस्या, सड़क पर उत्पीड़न और अपराध का डर लड़कियों के लिए शिक्षा बाधित करता है और परिवार उनकी पढ़ाई में हिचकिचाता है।

अथवा

स्वतन्त्र भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कुछ विधायी कदम उठाए गए। उनकी स्थिति पर इन नीतियों के प्रभाव/प्रभावशीलता की जाँच और चर्चा कीजिए। (कोई पाँच बिंदु)

उत्तर: स्वतन्त्र भारत में महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए विधायी कदम और प्रभाव:

1. **दहेज निषेध अधिनियम, 1961 –** दहेज प्रथा पर रोक लगाकर महिलाओं के अधिकारों और विवाह के दौरान उनके सम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

2. **समान वेतन अधिनियम, 1976 –** समान कार्य के लिए पुरुष और महिलाओं को समान वेतन का अधिकार दिया गया, जिससे आर्थिक असमानता कम हुई।

3. **महिला आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व –** पंचायत और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें उन्हें राजनीतिक भागीदारी और निर्णय-निर्माण में सम्मिलित करती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **हिंसा रोकने और सुरक्षा कानून –** घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और अन्य अपराधों को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान में सुधार किया।

5. **शिक्षा और रोजगार में विशेष योजनाएँ –** लड़कियों के लिए शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण योजनाओं से उनका सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण बढ़ा और अवसरों में समानता आई।

हालांकि इन विधायी कदमों ने महिलाओं को कानूनी सुरक्षा और पहचान दी है, लेकिन पितृसत्तात्मक सोच और शिक्षा की कमी के कारण इनकी पूर्ण प्रभावशीलता अभी भी कमज़ोर है।

"वैकल्पिक मॉड्यूल-II"

(भारतीय संस्कृति)

41. आपके अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि भारतीय संस्कृति का सबसे अच्छा उदाहरण है?

(A) हाइ फाइव

(B) फिस्ट बम्प

(C) हाथ मिलाना

(D) बड़ों के पैर छूना

उत्तर - (D) बड़ों के पैर छूना

42. निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : एक जनसमूह द्वारा अपनाई गई जीवन-शैली का समग्र रूप संस्कृति होता है।

तर्क (R) : इसमें विश्वासों और दृष्टिकोणों का एक संग्रह, साझा समझ और व्यवहार के तरीके शामिल हैं।

(A) (A) सही है, पर (R) गलत है

(B) (A) गलत है, पर (R) सही है

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

उत्तर - (C) (A) और (R) दोनों सही हैं

43. 'हल, हँसिया, गायन-वाद्य-यंत्र, इत्यादि' निम्न में से किससे संबंधित हैं?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(A) संस्कृति स्थानबद्ध है **(B) संस्कृति समयबद्ध है**

(C) भौतिक संस्कृति **(D) अभौतिक संस्कृति**

उत्तर - (C) भौतिक संस्कृति

अथवा

"सभी मानव अपने जीवन को बनाए रखने के लिए अपने प्राकृतिक वातावरण को अपने अनुकूल बनाने की तकनीक जानते हैं।" यह निम्न में से संस्कृति की किस विशेषता से संबंधित है, पहचानिए।

(A) संस्कृति सार्वभौमिक है **(B) संस्कृति स्थिर है, और फिर गतिशील भी है**

(C) संस्कृति एक सीखा हुआ व्यवहार है **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

उत्तर - (A) संस्कृति सार्वभौमिक है

44. _____ बिना औपचारिक स्कूल के चलने वाली एक सहज शिक्षा प्रक्रिया है।

उत्तर - अनौपचारिक शिक्षा

45. समय और _____ संस्कृति को गतिशील बनाते हैं।

उत्तर - परिवर्तन

अथवा

कुछ भी जो परंपरा से प्राप्त न हो अपितु प्रयत्न द्वारा या एक समय में या दोनों द्वारा प्राप्त की गयी हो उसे _____ कहते हैं

उत्तर - सांस्कृतिक नवाचार

46. भवन की डिज़ाइनिंग व निर्माण की कला और विज्ञान

उत्तर - वास्तुकला

अथवा

किसी विषय का व्यवस्थित रूप से लिखित में औपचारिक विवरण

उत्तर - लेख

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

47. आदर्श प्रतिमान एक विशिष्ट जन-समुदाय के लिए खास तरीके या स्तर की आदर्श बातें नहीं हैं।

उत्तर - गलत ✗ (आदर्श प्रतिमान किसी विशिष्ट जन-समुदाय के लिए बनाए गए मानक या आदर्श व्यवहार और मूल्य होते हैं।)

48. राजनीतिक स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विज्ञान और तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए कौन-से कदम उठाए? (किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए)

उत्तर - राजनीतिक स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विज्ञान और तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदम:

1. भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) और विभिन्न अनुसंधान केंद्रों की स्थापना।
2. पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा तथा अनुसंधान को बढ़ावा देना।

अथवा

भारतीय वास्तुकला के दो भिन्न समूहों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - भारतीय वास्तुकला के दो भिन्न समूह:

1. हिंदू वास्तुकला – मंदिर निर्माण, शिल्पकला, स्तंभ और गुम्बद।
2. मुगल वास्तुकला – मकबरे, किला, बगीचे और लाल पत्थर-मार्बल की सजावट।

49. "मुगल काल में ललित कला महत्त्वपूर्ण उत्कर्ष के स्तर पर जा पहुँची थी।" उदाहरण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए। (कोई पाँच बिंदु)

उत्तर - मुगल काल में ललित कला महत्त्वपूर्ण उत्कर्ष के स्तर पर जा पहुँची थी। उदाहरण:-

1. **चित्रकला में उत्कृष्टता:** मुगल चित्रकला में बहुत सूक्ष्म विवरण, रंगों का समुचित प्रयोग और जीवन शैली का यथार्थ चित्रण देखा गया। अकबर, जहांगीर और शाहजहाँ के दरबार में चित्रकारों ने भव्य चित्रावली बनाई।
2. **वास्तुकला का उत्कर्ष:** ताजमहल, फतेहपुर सीकरी और लाल किला जैसी संरचनाएँ मुगल वास्तुकला की भव्यता और सौंदर्यबोध को दर्शाती हैं।
3. **साज-सज्जा और अलंकरण कला:** महलों, मस्जिदों और कुतुबमीनार जैसी इमारतों में मूर्तिकला, जाली कला और चित्रकारी का उत्कृष्ट समावेश हुआ।
4. **साहित्य और पुस्तक कला:** मुगल काल में सुसज्जित पांडुलिपियाँ और शाही पुस्तकालयों में ललित चित्रण का विकास हुआ, जैसे हुमायूँ का बायोग्राफी और अकबर की इतिहासकृतियाँ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5. **संगीत और नृत्य कला का संरक्षण:** दरबार में संगीत और नृत्य को बढ़ावा दिया गया, जिससे शास्त्रीय और पारंपरिक कलाएँ विकसित हुईं और ललित कला के समग्र स्वरूप को और ऊँचाई

अथवा

"प्राचीन भारत की चित्रकारी सभी कालों में अभिनव रही है।" उचित उदाहरण देकर इसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (कोई पाँच बिंदु)

उत्तर - प्राचीन भारत की चित्रकारी सभी कालों में अभिनव रही है। उदाहरण:-

1. **गुप्तकाल की चित्रकला**: गुप्तकाल की चित्रकला में अजंता की गुफाओं की भित्तिचित्रें अद्‌भुत हैं, जिनमें धार्मिक कथाओं और जीवन की सूक्ष्म अभिव्यक्तियों का चित्रण मिलता है।
2. **राजपूतकाल की शैली**: राजपूत चित्रकला में राघुनाथ और कृष्णलीला जैसी कथाएँ चित्रित की गईं, जिनमें रंगों की विविधता और भाव-प्रकट करने की शैली अभिनव थी।
3. **मुगल और पर्शियन प्रभाव**: प्राचीन भारतीय चित्रकला में मुगल और पर्शियन शैली का सम्मिश्रण देखा गया, जैसे अकबर और जहांगीर के दरबार की पांडुलिपियों में सूक्ष्म और यथार्थ चित्रण।
4. **धार्मिक और भौतिक चित्रकला का संयोजन**: भित्तिचित्रों और तैलचित्रों में बौद्ध, जैन और हिन्दू धर्म की कथाओं के साथ समाज और संस्कृति का चित्रण भी किया गया।
5. **स्थानीय और क्षेत्रीय नवाचार**: राजस्थान, पंजाब और दक्षिण भारत में स्थानीय रंग, पोशाक और परिदृश्य के अनुसार चित्रकला विकसित हुई, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में अभिनव और विशिष्ट शैली उभरी।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2024

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - एक पड़ोस या गाँव निम्नलिखित में से किसके अच्छे उदाहरण हैं?

(A) समुदाय **(B) समाज**

(C) शहर **(D) संघ**

उत्तर - (A) समुदाय

प्रश्न 2 - यूरोप में 17वीं सदी में हुई औद्योगिक क्रांति धीरे-धीरे संपूर्ण विश्व में फैल गई। उस कारक की पहचान करें जो इस परिघटना से जुड़ा हुआ नहीं है:

(A) उत्पादन घरों से निकलकर कारखानों में चला गया।

(B) उत्पादन प्रक्रिया में पूंजी की भूमिका बढ़ गई।

(C) सभी वर्गों के लोगों ने कृषि गतिविधियों को अपनाया।

(D) सभी महिलाओं ने कार्य क्षेत्र में प्रवेश किया।

उत्तर - (C) सभी वर्गों के लोगों ने कृषि गतिविधियों को अपनाया।

प्रश्न 3 - कार्ल मार्क्स सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक सिद्धांत के मुख्य रचनाकार थे। निम्न में से कथन चुनें जो मार्क्सवादी दृष्टिकोण से मेल नहीं खाता:

(A) पूँजीवाद का उदय सामंतवाद में विरोधाभासों के कारण हुआ।

(B) किसानों और मज़दूरों के बीच वर्ग-संघर्ष होना।

(C) श्रमिकों द्वारा छेड़ी गई क्रांति।

(D) पूँजीवाद की बुराइयों के परिणामस्वरूप समाजवाद का उदय होगा।

उत्तर - (B) किसानों और मज़दूरों के बीच वर्ग-संघर्ष होना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 4 - सरल समझ के लिए, मानवशास्त्री आदिवासी व्याख्या एक ऐसे सामाजिक समूह से करते हैं जिसका :

(A) एक निश्चित क्षेत्र में निवास पाया जाता है और कोई विशिष्टीकरण नहीं होता।

(B) प्रकृति में बहिर्विवाही हैं।

(C) ये लोग अपनी नृजातीय एवं क्षेत्रीय एकता के बारे में जागरूक होते हैं।

(D) केवल (A) और (C) सही हैं।

उत्तर - (D) केवल (A) और (C) सही हैं।

प्रश्न 5 - समाजशास्त्रियों ने समाज के कतिपय लक्षणों को पहचाना है। निम्न में से कौन सा लक्षण नहीं है?

(A) एक दूसरे पर आश्रित होना (आत्मनिर्भरता)

(B) बिना किसी विभेद के समानता

(C) सदस्यों के बीच में सहयोग

(D) परस्पर विरोधी संबंधों का होना

उत्तर - (B) बिना किसी विभेद के समानता

प्रश्न 6 - निम्नलिखित में से कौन सा समरक्त नातेदारी के अंतर्गत नहीं आता ?

(A) बच्चे और माता-पिता के बीच संबंध

(B) चाचा और भतीजी/भतीजों के बीच संबंध

(C) पिता और माँ के बीच संबंध

(D) समान माता-पिता वाले भाई-बहनों के बीच संबंध

उत्तर - (C) पिता और माँ के बीच संबंध

प्रश्न 7 - उस कारक की पहचान करें जिसे हमारे देश में कई परिवारों द्वारा सामना की जा रही है जिसे गरीबी से नहीं जोड़ा जा सकता :

(A) वे भूमिहीन है और काम व मज़दूरी के लिए दूसरों पर निर्भर है।

(B) उन्हें कम वेतन पर काम करना पड़ता है

(C) उन्हें पूरे वर्ष काम मिलता है

(D) उन्हें उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेना पड़ता है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (C) उन्हें पूरे वर्ष काम मिलता है

प्रश्न 8 - निरक्षरता आधुनिक समाज के लिए एक अभिशाप है, क्योंकि यह निम्न की ओर ले जाता है :

(A) अज्ञानता

(B) अभावहीनता

(C) गलत विचार और कृत्य

(D) उपरोक्त सभी सत्य है

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी सत्य है

प्रश्न 9 - उस कारक की पहचान करें जो किसी जाति की सदस्यता से जुड़ा नहीं है :

(A) प्रदत्त

(B) वंशानुगत

(C) स्थानांतरित

(D) सामाजिक प्रस्थिती प्रदान करना

उत्तर - (C) स्थानांतरित

प्रश्न 10 - संस्थाओं के संबंध में समाजशास्त्रियों द्वारा किस तथ्य पर विचार नहीं किया जाता ?

(A) वे समाज के बुनियादी घटक हैं

(B) वे समाज के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं

(C) यह केवल विद्यालय और अस्पताल जैसी एक संस्था है

(D) लगभग हर समाज में छह प्राथमिक संस्थाएँ पाई जाती हैं

उत्तर - (C) यह केवल विद्यालय और अस्पताल जैसी एक संस्था है

प्रश्न 11 - पक्षपात, दहेज, भ्रूणहत्या, अनैतिकता आदि भ्रष्टाचार के किस रूप में आयेंगे ?

(A) सामाजिक

(B) राजनैतिक

(C) धार्मिक

(D) पेशेवर

उत्तर – (A) सामाजिक

प्रश्न 12 - निम्नलिखित में से कौन सी जाति-व्यवस्था का लक्षण नहीं है ?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(A) समाज का खण्डात्मक विभाजन

(B) व्यवसाय और भोजन पर प्रतिबन्ध

(C) अन्तर्विवाह

(D) गैर-वंशानुगत

उत्तर - (D) गैर-वंशानुगत

प्रश्न 13 - सामाजिक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है :

(A) मूल्यांकनात्मक

(B) भविष्य दर्शक

(C) व्याख्यात्मक

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

प्रश्न 14 - आधुनिकीकरण एक व्यापक अवधारणा है। निम्नलिखित में कौन सा विचार अपना सार प्रस्तुत करता है ?

(A) कोई भी संस्कृति पश्चिमी मूल्यों को अपनाए बिना आधुनिकीकरण कर सकती है।

(B) इसका मतलब परंपराओं को पूरी तरह से त्यागना नहीं है।

(C) आधुनिकता के उपयुक्त पहलुओं के साथ परम्परा के तर्कसंगत पहलुओं के एकीकरण की आवश्यकता है।

(D) उपरोक्त सभी विचार सत्य हैं।

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी विचार सत्य हैं।

प्रश्न 15 - अनुसूचित जनजातियाँ लम्बे समय से अपनी पहचान के प्रति सचेत रही हैं और उन्होंने इसके खिलाफ आंदोलन आयोजित किए हैं :

(A) जमींदार

(B) जागीरदार

(C) ब्रिटिश शासन

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 16 - पारम्परिक व्यवसाय प्रणाली जिसे जजमानी व्यवस्था के नाम से जाना जाता है, धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। इसका मुख्य कारण हैं :

(A) भूमि सुधारों ने पारंपरिक भूमि स्वामित्व संरचना को बदल दिया है।

(B) बाज़ार अर्थव्यवस्था का प्रवेश

(C) अन्तर्जातीय संबंधों की प्रकृति बदल रही है

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

प्रश्न 17 - निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक समूह है ?

(A) एक दिलचस्प नाटक देखने के बाद दर्शक ताली बजा रहे हैं।

(B) एक विरोध रैली देख रही भीड़ पास से गुजर रही है

(C) कॉलोनी के कॉमन रूम में हर हफ्ते रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक होती है

(D) रेलवे प्लेटफॉर्म पर चढ़ने के इंतज़ार में बेतरतीब लोग

उत्तर - (C) कॉलोनी के कॉमन रूम में हर हफ्ते रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक होती है

प्रश्न 18 - रिक्त स्थान भरें ।

(a) नातेदारी के पद परिवार के विभिन्न सदस्यों के _____ और उनकी स्थिति एवं भूमिका को समझने में मदद करती है।

उत्तर - अन्तर्सम्बन्धों

(b) माँ और बच्चे के बीच का रिश्ता _____ संबंधों की शुरुआत है।

उत्तर - समरक्त

प्रश्न 19 - रिक्त स्थान भरें ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(a) गाँवों की अर्थव्यवस्था _____ है, खासतौर से उत्पादन एवं उपभोग के क्षेत्र में ।

उत्तर - आत्मनिर्भर

(b) _____ की स्थिति का आशय ग्रामवासियों को उनके शहरों में बसे हुए निकट संबंधी को काम दिलाने के लिए शहरों में आमंत्रित करना है।

उत्तर - खींचने

प्रश्न 20 - एक शब्द में परिभाषित कीजिए।

(i) वे नातेदारी पद जिन्हें और छोटे शब्दों में नहीं बदला या तोड़ा जा सकता उसे कहते है -

उत्तर – प्रारंभिक पद

(ii) संयुक्त परिवार प्रणाली जहाँ परिवार का विस्तार ऊर्ध्वाधर रेखाओं के साथ होता है, वे कहलाते हैं –

उत्तर - रेखीय संयुक्त परिवार

(iii) जब वंशक्रम को स्त्री की ओर से देखते हैं तब उसे कहते हैं –

उत्तर - मातृसत्तात्मक

(iv) नातेदारों के बीच में जब किसी माध्यम से सम्बोधन किया जाता है तो वह है –

उत्तर - सम्बोधन

(v) वह व्यक्ति जिसके आधार पर नातेदारी निश्चित की जाती है, कहलाती है –

उत्तर - संदर्भ व्यक्ति

प्रश्न 21 – सही या गलत लिखिए

(a) वे अभियान जो पुरानी, परंपरागत पद्धतियों की बहाली अथवा पुनर्स्थापना के उद्देश्य से चलाए जाते हैं, वे 'प्रति-क्रांति' कहलाते हैं।

उत्तर - सही ✅

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) कार्यात्मकता के सिद्धांत के अनुसार क्रिया, विश्वास और अन्तर्क्रिया एक विपरीत प्रतिक्रिया को जन्म देने का प्रयत्न करती हैं।

उत्तर - गलत ❌ (कार्यात्मकता के सिद्धांत के अनुसार क्रिया, विश्वास और अन्तर्क्रिया समाज में **संतुलन और स्थिरता बनाए रखने** का प्रयत्न करती हैं, न कि विपरीत प्रतिक्रिया।)

प्रश्न 22 – सही या गलत लिखिए

(a) प्रत्येक समूह संरचनात्मक रूप से संगठित है।

उत्तर - सही ✅

(b) किसी औपचारिक नियम की उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति में समूह को औपचारिक या अनौपचारिक समूह में परिभाषित किया जा सकता है।

उत्तर - सही ✅

(c) एक संघ के रूप में परिवार एक समूह है, जबकि एक संस्था के रूप में समूह नहीं है।

उत्तर - गलत ❌ (परिवार **संघ और संस्था दोनों के रूप में समूह** हो सकता है।)

प्रश्न 23- (i) निम्न के आधार पर सही विकल्प को चुनिए।

दावा (A) : विकास की दिशा को आसानी से जटिल से सरल की ओर परिवर्तित किया जा सकता है।

कारण (R) : विकास एक अपरिवर्तनीय प्रक्रिया है।

(A) (A) सही, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

(विकास एक निरंतर और अपरिवर्तनीय प्रक्रिया है, इसे सरल से जटिल या जटिल से सरल आसानी से बदला नहीं जा सकता।)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ii) निम्न के आधार पर सही विकल्प को चुनिए।

दावा (A): मौजूदा सामाजिक व्यवस्था और पद्धति को अचानक और आकस्मिक उखाड़ फेंके जाने की स्थिति क्रांति होती है।

कारण (R): फ्रांस की राज्यक्रांति के फलस्वरूप सम्राट की सत्ता एकदम समाप्त हो गई थी।

(A) (A) सही, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(iii) निम्न के आधार पर सही विकल्प को चुनिए।

दावा (A): समाजीकरण लगातार चलने वाली एक प्रक्रिया है।

कारण (R): यह बच्चे की शारीरिक और मानसिक वृद्धि और विकास में सहायता करती है।

(A) (A) सही, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(iv) निम्न के आधार पर सही विकल्प को चुनिए।

दावा (A): मानव समाज ने शायद ही कभी परिवर्तनों का अनुभव किया है।

कारण (R) : सामाजिक संस्थाओं में पूर्वजों के समय से अद्भुत संशोधन हो रहे हैं।

(A) (A) सही, लेकिन (R) गलत है

(B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) दोनों (A) और (R) सही हैं

(D) दोनों (A) और (R) गलत हैं

उत्तर - (B) (A) गलत, लेकिन (R) सही है

(मानव समाज लगातार परिवर्तन का अनुभव करता है, और सामाजिक संस्थाओं में समय-समय पर संशोधन होते रहते हैं।)

प्रश्न 24 - इस प्रश्न में कुल 4 मिलान प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है।

कॉलम I	कॉलम II
(i) एकल परिवार (ii)मातृसत्तात्मक परिवार (iii) पश्चिमी देशों में (iv) परिवारवादी हित	(a) तात्पर्य यह है कि समग्र रूप से परिवार का हित व्यक्तिगत हित से अधिक महत्त्वपूर्ण है। (b) मूल रूप से पति-पत्नी और दोनों पक्षों के रिश्तेदारों से बना एक द्विपक्षीय समूह है। (c) आकार के आधार पर आधारित परिवार। (d) उदाहरण के लिए केरल के नायर और असम की गारो जनजातियाँ (e) विवाहित जोड़ी पत्नी के पिता के घर अथवा समुदाय में निवास करता है। (f) नौजवान जोड़े मुख्य रूप से नवस्थान वाले परिवार को बेहतर मानते हैं।

उत्तर -

कॉलम I	कॉलम II
(i) एकल परिवार (ii)मातृसत्तात्मक परिवार (iii) पश्चिमी देशों में (iv) परिवारवादी हित	(b) मूल रूप से पति-पत्नी और दोनों पक्षों के रिश्तेदारों से बना एक द्विपक्षीय समूह है। (d) उदाहरण के लिए केरल के नायर और असम की गारो जनजातियाँ (f) नौजवान जोड़े मुख्य रूप से नवस्थान वाले परिवार को बेहतर मानते हैं। (a) तात्पर्य यह है कि समग्र रूप से परिवार का हित व्यक्तिगत हित से अधिक महत्त्वपूर्ण है।

प्रश्न 25 - नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर दिए गए किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

यहूदी धर्म को मानने वालों को यहूदी कहते हैं। पुराने भारतीय यहूदियों के घर या आवास कोचीन एवं महाराष्ट्र में हैं। इन दोनों स्थानों की बस्तियाँ बहुत छोटी संख्या में हैं। इनके लगभग 20,000 आबादी हैं।

कोचीन के यहूदियों ने अपनी पहचान प्राचीन समय (सहस्त्र वर्ष) से बना रखी है। कहते हैं कि 1020 शताब्दी में कोचीन के राजा ने यहूदियों को कुछ विशेष अधिकार दिये थे। इन विशेष अधिकारों में हाथी की सवारी और राजकीय छतरी को लेकर चलना था। बाद में ये यहूदी दो समूहों में बंट गये, श्वेत यहूदी जिनकी त्वचा सफेद थी और जो अपने आपको मौलिक यहूदी मानते थे, दूसरा समूह वह जिनका रंग काला था। यहूदियों के इन दोनों समूहों में खान-पान और विवाह के कोई सम्बन्ध नहीं थे।

इसके विपरीत महाराष्ट्र में यहूदियों की संख्या बड़ी है। कोचीन के यहूदी, महाराष्ट्र के यहूदियों से भिन्न हैं। महाराष्ट्र के यहूदियों को बेनेइज्राइल यानी इज्राइल के पुत्र कहते हैं। कोंकणी भाषा बोलने वाले गाँवों में ये यहूदी तेल का धन्धा करते हैं क्योंकि तेली का धन्धा प्रतिष्ठित व्यवसाय नहीं हैं। अतः अपने गाँव में उनका स्थान उच्च नहीं है। वे शनिवार को काम नहीं करते, उन्हें शनिवार आयल मैन भी कहा जाता है।

(a) महाराष्ट्र के यहूदियों को क्या कहा जाता था?

उत्तर - बेने इजराइल (इजराइल के पुत्र)

(b) कोचीन के राजा द्वारा यहूदियों को दिए गये अधिकारों एवं विशेषाधिकारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - कोचीन के राजा ने यहूदियों को जीवन-निर्वाह का अधिकार, हाथी की सवारी करने का अधिकार तथा राजकीय छतरी लेकर चलने का विशेषाधिकार प्रदान किया था।

(c) यहूदी किस धर्म का पालन करते हैं? ये भारत में मुख्य रूप से कहाँ बसे थे ?

उत्तर - यहूदी यहूदी धर्म का पालन करते हैं। वे भारत में मुख्य रूप से कोचीन (केरल) और महाराष्ट्र में बसे थे।

(d) 'बेनेइज्राइल' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – बेनेइज्राइल महाराष्ट्र में रहने वाले यहूदी थे। वे कोंकणी भाषा बोलने वाले गाँवों में रहते थे और तेल निकालने (तेली) का काम करते थे। यह व्यवसाय कम प्रतिष्ठित होने के कारण समाज में उनका स्थान ऊँचा नहीं था। वे शनिवार को काम नहीं करते थे, इसलिए उन्हें 'शनिवार आयलमैन' भी कहा जाता था।

" खण्ड-ख"

(SECTION—B)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 26: प्रकार्यवादियों द्वारा समाज का विश्लेषण करने के प्रयास में कौन सा परिप्रेक्ष्य अपनाया जाता है?

उत्तर: प्रकार्यवादियों द्वारा समाज के विश्लेषण के लिए **प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य** अपनाया जाता है। इस परिप्रेक्ष्य के अनुसार समाज को एक संगठित प्रणाली के रूप में देखा जाता है, जिसमें विभिन्न संस्थाएँ जैसे परिवार, शिक्षा, धर्म, अर्थव्यवस्था और राजनीति अपने-अपने विशिष्ट कार्य करती हैं। जैसे मानव शरीर के अंग मिलकर शरीर को स्वस्थ रखते हैं, वैसे ही सामाजिक संस्थाएँ मिलकर समाज में व्यवस्था, संतुलन और स्थिरता बनाए रखती हैं। प्रकार्यवादी मानते हैं कि प्रत्येक सामाजिक भाग का कोई न कोई उपयोगी कार्य होता है, जो समाज के अस्तित्व और निरंतरता में सहायक होता है।

प्रश्न 27: 'प्राकृतिक गैर बराबरी' और उनके 'अस्तित्व की दशाओं की गैर बराबरी' में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर:

विशेषता	प्राकृतिक गैर-बराबरी	अस्तित्व की दशाओं की गैर-बराबरी
उत्पत्ति	यह जन्म से ही व्यक्ति में पाई जाती है।	यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों से उत्पन्न होती है।
उदाहरण	इसमें आयु, लिंग, शारीरिक बनावट, शक्ति और बुद्धि जैसी भिन्नताएँ शामिल हैं।	इसमें शिक्षा, आय, आवास, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक स्थिति शामिल हैं।
परिवर्तन की संभावना	इसमें परिवर्तन करना कठिन या असंभव होता है।	इसे नीतियों और सामाजिक सुधारों द्वारा कम किया जा सकता है।

अथवा

अनुलोम विवाह और प्रतिलोम विवाह में क्या अंतर है?

उत्तर:

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

तुलना का आधार	अनुलोम विवाह (Hypergamy)	प्रतिलोम विवाह (Hypogamy)
शाब्दिक अर्थ	'अनु' का अर्थ है 'अनुकूल' या 'सीधा'।	'प्रति' का अर्थ है 'विपरीत' या 'उल्टा'।
वर (पुरुष) की स्थिति	पुरुष उच्च जाति या उच्च सामाजिक श्रेणी का होता है।	पुरुष निम्न जाति या निम्न सामाजिक श्रेणी का होता है।
वधू (स्त्री) की स्थिति	स्त्री निम्न जाति या निम्न श्रेणी की होती है।	स्त्री उच्च जाति या उच्च श्रेणी की होती है।
पारंपरिक मान्यता	हिंदू धर्मशास्त्रों और स्मृतियों में इसे एक सीमा तक स्वीकार किया गया था।	प्राचीन काल में इसे शास्त्र-विरुद्ध और सामाजिक अपराध माना जाता था।
सामाजिक प्रतिष्ठा	इसमें कन्या का परिवार उच्च कुल से जुड़कर अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाता है।	इसे समाज की मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था और प्रायः दंड या बहिष्कार का कारण बनता था।
संतति (संतान) का स्थान	बच्चों को पिता की जाति या समाज में सम्मानजनक स्थान मिलता था।	प्राचीन काल में ऐसी संतानों को निम्न श्रेणियों (जैसे चांडाल) में रखा जाता था।

प्रश्न 28: चर्चा करें कि कार्ल मार्क्स शासक वर्ग और सेवा वर्ग को कैसे समझते है?

उत्तर: कार्ल मार्क्स के अनुसार, समाज दो मुख्य वर्गों में विभाजित है। पहला **'शासक वर्ग' (बुर्जुआ)** है, जिसका उत्पादन के साधनों (जैसे कारखाने, भूमि) पर नियंत्रण होता है। वे समाज की विचारधारा और राजनीति को नियंत्रित करते हैं। दूसरी ओर, **'सेवा वर्ग' या श्रमिक वर्ग (सर्वहारा) होता है,** जिसके पास उत्पादन के साधन नहीं होते। वे जीवित रहने के लिए अपनी श्रम शक्ति शासक वर्ग को बेचते हैं। इन दोनों के बीच हितों का टकराव रहता है, जिसे मार्क्स **'वर्ग संघर्ष'** कहते हैं।

प्रश्न 29: दहेज क्या है? इसे एक कुप्रथा क्यों माना जाता है?

उत्तर: दहेज वह धन, वस्तुएँ, आभूषण, संपत्ति या अन्य सामग्री है, जो विवाह के समय कन्या पक्ष द्वारा वर पक्ष को दी जाती है। यह प्रथा परंपरा के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन समय के साथ यह मांग और दबाव का रूप ले चुकी है।

दहेज को कुप्रथा मानाने के कारण :-

- दहेज प्रथा समाज में असमानता और अन्याय को बढ़ावा देती है।
- दहेज के कारण महिलाओं पर अत्याचार, उत्पीड़न और घरेलू हिंसा होती है।
- कई बार दहेज न मिलने पर हत्या और आत्महत्या जैसी घटनाएँ होती हैं।
- यह गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ डालती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 30: सामाजिक नियंत्रण की एजेंसी के रूप में जनमत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: जनमत समाज में सामूहिक मान्यताओं, मूल्य और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करने और सामाजिक अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब कोई व्यक्ति सामाजिक नियमों का उल्लंघन करता है, तो जनमत उसकी आलोचना या निंदा करता है, जिससे व्यक्ति पर दबाव बनता है कि वह समाज के अनुसार व्यवहार करे। चुनाव, जनमत सर्वेक्षण, और सार्वजनिक राय माध्यमों के जरिए समाज की इच्छाओं और अपेक्षाओं को व्यक्त करता है। इस प्रकार जनमत एक अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण की एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जो सामाजिक स्थिरता और सामूहिक सद्भाव बनाए रखने में सहायक है।

31. भ्रष्टाचार क्या है? दैनिक जीवन में भ्रष्टाचार की कुछ अभिव्यक्तियों का उल्लेख करें।

उत्तर: भ्रष्टाचार वह असामाजिक और अनैतिक गतिविधि है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नियम, कानून या नैतिक मानदंडों का उल्लंघन करता है। यह समाज में न्याय, समानता और पारदर्शिता को कमजोर करता है।

दैनिक जीवन में भ्रष्टाचार की कुछ अभिव्यक्तियाँ:-

1. सरकारी या निजी कार्यालयों में रिश्वत लेना या देना।
2. नियमों का उल्लंघन करके निजी लाभ कमाना।
3. जमीन, भवन या व्यवसाय में अनुचित तरीके से फायदा उठाना।
4. चयन या भर्ती में पक्षपात और पैसों के माध्यम से लाभ प्राप्त करना।
5. सार्वजनिक सुविधाओं का दुरुपयोग या लापरवाही।

अथवा

गरीबी क्या है? निरक्षरता गरीबी में कैसे योगदान करती है?

उत्तर: गरीबी वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति की बुनियादी आवश्यकताएँ – जैसे भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य पूरी नहीं हो पातीं। इसका अर्थ है आर्थिक, सामाजिक और जीवन की गुणवत्ता की कमी।

निरक्षरता गरीबी को बढ़ाती है:-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **रोज़गार की कमी:** पढ़ा-लिखा व्यक्ति ही अच्छी नौकरी या व्यवसाय पा सकता है। निरक्षर लोग कम वेतन वाले या अस्थायी कामों पर निर्भर रहते हैं।

2. **कम आय और विकास की कमी:** शिक्षा की कमी से कौशल और ज्ञान विकसित नहीं होता, जिससे आय बढ़ाने के अवसर कम हो जाते हैं।

3. **सामाजिक पिछड़ापन:** निरक्षर व्यक्ति समाज और सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाता।

4. **अनुवांशिक गरीबी:** अगर माता-पिता निरक्षर हैं, तो बच्चों की शिक्षा पर ध्यान कम होता है, जिससे गरीबी पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहती है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 32: वर्णन करें कि राजनीति विज्ञान की विषयवस्तु समाजशास्त्र से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर: राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र दोनों सामाजिक विज्ञान की शाखाएँ हैं, लेकिन उनकी विषयवस्तु और दृष्टिकोण भिन्न हैं।

राजनीति विज्ञान मुख्यतः सत्ता, शासन, सरकार, राजनीतिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह बताता है कि समाज में शक्ति का वितरण कैसे होता है, राजनीतिक निर्णय कैसे लिए जाते हैं, और नागरिक और राज्य के बीच संबंध किस प्रकार बनाए जाते हैं। राजनीति विज्ञान यह भी विश्लेषण करता है कि लोकतंत्र, तानाशाही या अन्य शासन प्रणालियाँ कैसे काम करती हैं।

इसके विपरीत, **समाजशास्त्र**, समाज के संगठन, सामाजिक संरचना, संस्कृति, समूह, परिवार, शिक्षा और आर्थिक जीवन का अध्ययन करता है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि सामाजिक संस्थाएँ और मानदंड समाज के व्यवहार और स्थिरता को कैसे प्रभावित करते हैं।

इस प्रकार, समाजशास्त्र समाज के **सामाजिक पहलुओं और व्यवहार** पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि राजनीति विज्ञान **शक्ति, शासन और राजनीतिक प्रक्रियाओं** पर ध्यान केंद्रित करता है। राजनीति विज्ञान अधिकतर "कौन सत्ता रखता है और कैसे प्रयोग करता है" के प्रश्नों पर केंद्रित है, जबकि समाजशास्त्र "समाज कैसे कार्य करता है और व्यक्ति के व्यवहार को क्या प्रभावित करता है" को समझता है।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रस्थिति और भूमिका की अवधारणा मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के बीच कैसे संबंध स्थापित करते हैं?

उत्तर: प्रस्थिति (Status) और भूमिका (Role) की अवधारणाएँ मनोविज्ञान और समाजशास्त्र दोनों में महत्वपूर्ण हैं। समाजशास्त्र में प्रस्थिति उस स्थिति या स्थान को दर्शाती है जिसे कोई व्यक्ति समाज में प्राप्त करता है, जैसे छात्र, शिक्षक, माता-पिता या मित्र। भूमिका उस प्रस्थिति से जुड़े कर्तव्यों और अपेक्षित व्यवहार को दर्शाती है। उदाहरण के लिए, छात्र की प्रस्थिति उसके समाज में पहचान देती है, जबकि उसकी भूमिका में पढ़ाई करना, समय पर स्कूल जाना और नियमों का पालन करना शामिल है।

मनोविज्ञान के दृष्टिकोण से यह देखा जाता है कि व्यक्ति अपनी भूमिकाओं को कैसे निभाता है और इसमें उसकी सोच, भावनाएँ और अनुभव शामिल होते हैं। किसी छात्र के लिए पढ़ाई में रुचि, समूह गतिविधियों में भाग लेना और दोस्ती निभाना उसकी मानसिक प्रक्रिया और सामाजिक अपेक्षाओं का मिश्रण है। समाजशास्त्र यह समझने में मदद करता है कि विभिन्न भूमिकाओं और प्रस्थितियों के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है, जबकि मनोविज्ञान यह बताता है कि व्यक्ति इसे मानसिक रूप से कैसे अपनाता है।

इस प्रकार, प्रस्थिति और भूमिका की अवधारणाएँ व्यक्तिगत अनुभव और सामाजिक ढांचे के बीच संबंध स्थापित करती हैं।

प्रश्न 33: भागीदार बनकर प्रेक्षण विधि द्वारा आँकड़े इकट्ठा करने में क्या चुनौतियाँ हैं?

उत्तर: भागीदार प्रेक्षण में शोधकर्ता समाज या समूह का हिस्सा बनकर उनके व्यवहार और गतिविधियों का अध्ययन करता है। यह विधि गहन जानकारी देती है, लेकिन इसमें कई चुनौतियाँ होती हैं:

1. **पूर्वाग्रह (Bias)** – शोधकर्ता की व्यक्तिगत मान्यताएँ या अनुभव अध्ययन को प्रभावित कर सकते हैं।
2. **सत्यनिष्ठा की कमी** – समूह के सदस्य शोधकर्ता की उपस्थिति में असली व्यवहार नहीं दिखा सकते।
3. **नैतिक समस्याएँ** – गोपनीयता और सूचनाओं के दुरुपयोग का खतरा रहता है।
4. **समय और प्रयास की अधिकता** – लंबे समय तक समूह में रहना आवश्यक होता है, जिससे शोध प्रक्रिया लंबी और थकाऊ हो सकती है।
5. **समानुभूति का खतरा** – शोधकर्ता बहुत घुलमिल जाने पर निष्पक्ष दृष्टिकोण बनाए रखना कठिन हो सकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

6. **डेटा की व्याख्या कठिनाई** – प्राप्त जानकारी अक्सर गुणात्मक होती है, जिसका विश्लेषण और सामान्यीकरण कठिन हो सकता है।

इस प्रकार, भागीदार प्रेक्षण गहन और सजीव जानकारी देता है, लेकिन निष्पक्षता, समय और नैतिकता के सवाल इसे चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

प्रश्न 34. चर्चा करें कि जाति और अर्थव्यवस्था किस प्रकार संबंधित है?

उत्तर: जाति और अर्थव्यवस्था भारतीय समाज में गहरे जुड़े हुए हैं। जाति समाज में सामाजिक व्यवस्था और कर्म विभाजन का आधार होती है। पारंपरिक रूप से, प्रत्येक जाति का एक निश्चित पेशा या व्यवसाय होता था, जैसे ब्राह्मण शिक्षा और पूजा, क्षत्रिय सुरक्षा और शासन, वैश्य व्यापार और किसान कृषि, तथा शूद्र श्रम कार्य। इससे यह स्पष्ट होता है कि जाति और अर्थव्यवस्था **व्यवसाय और आय के साधनों** से सीधे जुड़ी थी।

आधुनिक समाज में भी जाति और आर्थिक स्थिति का संबंध दिखाई देता है। कुछ जातियों के पास अधिक संपत्ति, संसाधन और अवसर होते हैं, जबकि पिछड़ी जातियाँ अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर रहती हैं। जाति आधारित भेदभाव और अवसरों की असमानता आय और रोजगार के स्तर को प्रभावित करती है।

इसके अलावा, जाति परंपराओं और सामाजिक नियमों के कारण लोगों के पेशे, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियाँ सीमित होती हैं। इसलिए जाति न केवल सामाजिक पहचान देती है, बल्कि **व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, रोजगार और सामाजिक उत्थान** को भी प्रभावित करती है।

प्रश्न 35. स्वांगीकरण तथा समाजीकरण के संबंध स्पष्ट करें।

उत्तर: स्वांगीकरण और समाजीकरण एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। स्वांगीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने आस-पास के लोगों के व्यवहार, आदतों, रीति-रिवाजों और भाषण को देखकर उनका अनुकरण करता है। यह प्रारंभिक सीखने का माध्यम है, विशेषकर बच्चों के लिए। उदाहरण के लिए, बच्चा माता-पिता की भाषा बोलना या बड़े लोगों के आचार-व्यवहार की नकल करना सीखता है।

समाजीकरण वह व्यापक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति समाज के मूल्य, नियम, परंपराएँ और सांस्कृतिक मानदंड सीखता और अपनाता है। स्वांगीकरण समाजीकरण का एक मूल आधार है, क्योंकि व्यक्ति पहले दूसरों के व्यवहार का अनुकरण करता है और धीरे-धीरे उसे सामाजिक नियमों और अपेक्षाओं के अनुरूप ढालता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

इस प्रकार, स्वांगीकरण और समाजीकरण के बीच अविभाज्य संबंध है। स्वांगीकरण प्रारंभिक सीखने की प्रक्रिया है, जबकि समाजीकरण व्यक्ति को समाज में पूर्ण रूप से शामिल होने, सामाजिक भूमिकाएँ निभाने और व्यवहार को नियंत्रित करने में सक्षम बनाता है।

अथवा

भूमिका निर्वाह के सिद्धांत के मूलभूत नियम क्या है? भूमिका निभाने की प्रक्रिया किस प्रकार व्यक्तित्व विकास में सहायक होती है?

उत्तर: भूमिका निर्वाह का अर्थ है किसी व्यक्ति द्वारा उसकी सामाजिक प्रस्थिति (Status) के अनुसार अपेक्षित कर्तव्यों और व्यवहार का पालन करना। इसके कुछ मूलभूत नियम हैं:

1. **स्पष्ट अपेक्षाएँ :** व्यक्ति को अपनी भूमिका से जुड़े कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्पष्ट ज्ञान होना चाहिए।
2. **सामाजिक अनुकूलन :** व्यक्ति को समूह और समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए।
3. **लचीलापन :** परिस्थितियों और परिवर्तनों के अनुसार भूमिका को समायोजित करने की क्षमता।
4. **समानुभूति :** दूसरों के दृष्टिकोण और भावनाओं को समझते हुए भूमिका निभाना।
5. **उत्तरदायित्व :** अपनी भूमिका के परिणामों को समझना और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना।

भूमिका निभाने की प्रक्रिया और व्यक्तित्व विकास: जब व्यक्ति अपनी भूमिकाओं का पालन करता है, तो वह अनुशासन, जिम्मेदारी और सामाजिक व्यवहार सीखता है। यह प्रक्रिया आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, और सामाजिक समझ विकसित करती है। विभिन्न भूमिकाओं का अनुभव व्यक्ति को लचीला बनाता है, उसे निर्णय लेने और समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाता है। इस प्रकार, भूमिका निर्वाह व्यक्तित्व के सामाजिक और मानसिक विकास में सहायक होता है।

प्रश्न 36. प्रथाएँ किस प्रकार से सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन के रूप में कार्य करती है?

उत्तर: प्रथाएँ समाज में स्थापित परंपरागत नियम और व्यवहार हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलकर लोगों के आचरण को नियंत्रित करती हैं। ये सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन के रूप में कार्य करती हैं क्योंकि ये व्यक्ति पर बाहरी दबाव और आंतरिक नैतिक भावना दोनों के माध्यम से प्रभाव डालती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रथाएँ व्यक्ति को स्वीकार्य और अनुचित व्यवहार के बारे मे बताती है। उदाहरण के लिए, किसी गाँव में समय पर पूजा या त्योहार में भाग लेना सामाजिक प्रथा मानी जाती है। यदि कोई इसका पालन नहीं करता, तो समुदाय उसकी आलोचना या सामाजिक निंदा करता है। इससे व्यक्ति पर अप्रत्यक्ष दबाव बनता है कि वह समाज के नियमों का पालन करे।

इसके अलावा, प्रथाएँ सामाजिक सद्भाव और स्थिरता बनाए रखने में मदद करती हैं। ये नियमों और कानूनों की आवश्यकता के बिना भी लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करती हैं। व्यक्ति धीरे-धीरे इन प्रथाओं को अपना लेता है, जिससे अनुशासन और सामाजिक मेल-जोल बनाए रखने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रथाएँ समाज में अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण का कार्य करती हैं और सामाजिक संरचना को स्थिर बनाती हैं।

अथवा

सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक और औपचारिक साधनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

विशेषता	कानून	प्रथा
प्रकृति	लिखित और औपचारिक	अनौपचारिक और अलिखित
पालन अनिवार्यता	अनिवार्य, उल्लंघन पर कानूनी दंड	सामाजिक और नैतिक दबाव से पालन, उल्लंघन पर सामाजिक निंदा
सामान्यता	सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू	विशेष समुदाय, क्षेत्र या वर्ग तक सीमित
बदलाव की प्रक्रिया	औपचारिक प्रक्रिया द्वारा परिवर्तन संभव	धीरे-धीरे सामाजिक परिवर्तनों के साथ बदलती है
संपर्क साधन	न्यायालय और सरकारी संस्थाएँ	परिवार, समाज और समुदाय के माध्यम से
लक्ष्य	कानून का पालन और न्याय सुनिश्चित करना	सामाजिक सद्भाव और आदतों का पालन सुनिश्चित करना

प्रश्न 37. अनुसूचित जनजातियों के सामने आनेवाली प्रमुख समस्याओं में से एक विस्थापन है। यह उन्हें किस प्रकार प्रभावित करती है?

उत्तर: अनुसूचित जनजातियों (Scheduled Tribes) के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में **विस्थापन** एक गंभीर चुनौती है। विस्थापन तब होता है जब उनकी पारंपरिक भूमि, जंगल या आवास परियोजनाओं, बांध, खनन, उद्योग या सड़क निर्माण के कारण उनसे छीन लिए जाते हैं।

विस्थापन के प्रभाव:

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **आर्थिक कठिनाइयाँ:** पारंपरिक कृषि, जंगल पर निर्भर जीवन या शिकार-खाना आधारित आजीविका छिन जाने से उनकी आय और रोजगार प्रभावित होता है।

2. **सांस्कृतिक क्षति:** अपनी भूमि से जुड़ी रीति-रिवाज, परंपराएँ और त्योहार प्रभावित होते हैं, जिससे सांस्कृतिक अस्मिता कमज़ोर होती है।

3. **सामाजिक विस्थापन:** समुदाय टूट जाते हैं और सामाजिक समर्थन प्रणाली कमजोर होती है, जिससे लोग अकेलापन और असुरक्षा महसूस करते हैं।

4. **शिक्षा और स्वास्थ्य पर प्रभाव:** नई जगह पर संसाधनों की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा बाधित होती है और स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हो जाती हैं।

5. **मानसिक और भावनात्मक असर:** भूमि और जीवनशैली के खोने से तनाव, निराशा और मानसिक समस्याएँ बढ़ती हैं।

इस प्रकार, विस्थापन अनुसूचित जनजातियों की **आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक स्थिति** को गहराई से प्रभावित करता है।

प्रश्न 38. प्रदत्त और अर्जित प्रस्थितियों में क्या अंतर है? उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

उत्तर: समाजशास्त्र में व्यक्ति की प्रस्थिति (Status) उसकी सामाजिक पहचान को दर्शाती है। इसे मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जाता है – **प्रदत्त प्रस्थिति (Ascribed Status)** और **अर्जित प्रस्थिति (Achieved Status)**।

प्रदत्त प्रस्थिति वह स्थिति होती है जो व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होती है। इसमें व्यक्ति की इच्छा या प्रयास का कोई योगदान नहीं होता। उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति का जन्म किसी जाति, धर्म, लिंग या परिवार में होना, उसकी आयु या जन्मभूमि से संबंधित स्थिति प्रदत्त मानी जाती है। इस प्रकार की प्रस्थिति समाज में व्यक्ति की प्रारंभिक पहचान तय करती है और उसके सामाजिक अधिकार और कर्तव्यों को प्रभावित करती है।

इसके विपरीत, **अर्जित प्रस्थिति** वह स्थिति है जो व्यक्ति अपने प्रयास, मेहनत, शिक्षा, कौशल या सामाजिक कार्यों के माध्यम से प्राप्त करता है। उदाहरण के लिए, शिक्षक बनना, डॉक्टर या नेता बनना, खेल में विजेता बनना आदि अर्जित प्रस्थिति के उदाहरण हैं। अर्जित प्रस्थिति व्यक्ति की क्षमताओं, उपलब्धियों और परिश्रम का परिणाम होती है और इसे बदलने की संभावना भी रहती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

इस प्रकार, प्रदत्त प्रस्थिति जन्म आधारित होती है जबकि अर्जित प्रस्थिति व्यक्ति के प्रयास और उपलब्धियों पर आधारित होती है।

अथवा

परम्परागत हिन्दू समाज में विवाह के किन्हीं चार स्वरूप जो उचित और वाँछित माने जाते हैं, स्पष्ट करें।

उत्तर: हिन्दू समाज में विवाह केवल दो व्यक्ति के बीच का सामाजिक बंधन नहीं बल्कि धर्म, संस्कार और सामाजिक कर्तव्यों का पालन भी माना जाता है। परंपरागत ग्रंथों के अनुसार चार प्रकार के विवाह उचित और वांछित माने जाते हैं।

1. ब्राह्म विवाह: इसमें पिता स्वयं योग्य, विद्वान और शीलवान वर (दूल्हा) को ढूँढकर उसे घर बुलाता है और अपनी कन्या उसे सौंपता है। इसमें कोई लेन-देन नहीं होता।

2. दैव विवाह: इसमें पिता अपनी कन्या का विवाह उस पुरोहित (पंडित) से करता है, जो उसके द्वारा आयोजित यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठान को विधि-विधान से सफलतापूर्वक संपन्न करता है।

3. आर्ष विवाह : इसमें वर (दूल्हा) कन्या के पिता को एक जोड़ी गाय और बैल उपहार में देता है। यह कोई कन्या-मूल्य नहीं, बल्कि ऋषि परंपरा के अनुसार धार्मिक कार्यों के लिए दिया गया दान है।

4. प्राजापत्य विवाह : इसमें पिता कन्या को योग्य वर को सौंपता है और दोनों से धर्म एवं कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिज्ञा ली जाती है। इसमें दूल्हा कोई उपहार नहीं देता और विवाह केवल कर्तव्य-आधारित होता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 39. समाज में अभी भी एक लड़की को वंचितता और भेदभावपूर्ण स्थिति में देखते हैं। समकालीन समाज से उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उत्तर: समकालीन समाज में भी लड़कियों को कई क्षेत्रों में वंचित और भेदभावपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ता है। यह भेदभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक और पारिवारिक निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। लड़कियों को जन्म से ही कुछ परिवार और समाज में कम महत्व दिया जाता है। कई जगह यह भेदभाव केवल सामाजिक सोच और परंपराओं के कारण होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- **शिक्षा में वंचितता:** कई ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में परिवार लड़कियों की शिक्षा पर कम खर्च करते हैं और उन्हें स्कूल भेजने में प्राथमिकता नहीं देते। उदाहरण के लिए, बच्चियों को पढ़ाई के बजाय घर के कामों में लगाया जाता है, जबकि लड़कों को स्कूल भेजा जाता है। इसके कारण लड़कियों में साक्षरता दर कम होती है और उनकी आत्मनिर्भरता सीमित रह जाती है।

- **स्वास्थ्य और पोषण में असमानता:** परिवार और समाज में लड़कियों के पोषण और स्वास्थ्य पर कम ध्यान दिया जाता है। कई जगह लड़कियों को पर्याप्त भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएँ नहीं मिलती। उदाहरण के लिए, गंभीर बीमारी या कुपोषण की स्थिति में लड़कों को प्राथमिकता दी जाती है। इससे उनकी शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है।

- **रोजगार और आर्थिक अवसरों में भेदभाव:** लड़कियों और महिलाओं को रोजगार में बराबरी का अवसर नहीं मिलता। कई बार उन्हें कम वेतन, सीमित पद या घरेलू कार्यों तक ही सीमित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, कुछ क्षेत्रों में महिलाएँ केवल घरेलू काम, सिलाई या कृषि के छोटे कार्यों तक ही सीमित रह जाती हैं, जबकि समान योग्यता रखने वाली पुरुषों को उच्च पदों पर नियुक्त किया जाता है।

- **सामाजिक और पारिवारिक निर्णयों में असमानता:** कई परिवारों में लड़कियों के विवाह, शिक्षा और करियर संबंधी निर्णय उनके इच्छाओं के विपरीत लिए जाते हैं। विवाह में दहेज जैसी प्रथा उन्हें मानसिक और आर्थिक दबाव में डालती है। इसके अलावा, लड़कियों की स्वतंत्रता और बाहर जाने की आज़ादी पर सामाजिक और पारिवारिक नियंत्रण रखा जाता है।

इस प्रकार, समकालीन समाज में लड़कियों को शैक्षिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और सामाजिक दृष्टि से वंचित और भेदभावपूर्ण स्थिति में देखा जा सकता है। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज की प्रगति और समानता में भी बाधा डालती है। लड़कियों की स्थिति सुधारने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक जागरूकता और कानूनी सुरक्षा की आवश्यकता है।

अथवा

जनसंख्या विस्फोट से क्या तात्पर्य है? जनसंख्या संक्रमण की तीनों अवस्थाओं को सविस्तार बताइए।

उत्तर: जनसंख्या विस्फोट से तात्पर्य उस स्थिति से है जब किसी देश या क्षेत्र की जनसंख्या अत्यधिक और असंतुलित रूप से तेजी से बढ़ती है। यह मुख्य रूप से तब होता है जब जन्म दर बहुत अधिक होती है और मृत्यु दर कम हो जाती है। जब जन्म और मृत्यु के बीच का अंतर बहुत बड़ा हो जाता है, तो जनसंख्या तेजी से बढ़ती है और इसका नियंत्रण कठिन हो जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

जनसंख्या संक्रमण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसी समाज की जनसंख्या का विकास जन्म दर और मृत्यु दर में बदलाव के आधार पर तीन प्रमुख चरणों में होता है।

1. **प्रारंभिक अवस्था :** इस चरण में जन्म दर और मृत्यु दर दोनों उच्च होते हैं। जन्म और मृत्यु लगभग बराबर होने के कारण जनसंख्या धीरे-धीरे बढ़ती है। यह अवस्था पारंपरिक, कृषि-प्रधान और विकासशील समाजों में आम थी। समाज में बीमारी, कुपोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण मृत्यु दर अधिक रहती थी।
2. **मध्यवर्ती अवस्था :** इस चरण में मृत्यु दर कम होने लगती है, जबकि जन्म दर अभी भी अधिक बनी रहती है। इसके कारण जनसंख्या तेजी से बढ़ती है। आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, स्वच्छता और टीकाकरण जैसी सुविधाओं में सुधार के कारण यह अवस्था आती है। उदाहरण के लिए, भारत और अन्य विकासशील देशों में बीसवीं सदी के अंत में यह चरण देखा गया।
3. **उन्नत अवस्था :** इस चरण में जन्म दर भी घटने लगती है और मृत्यु दर पहले ही कम हो चुकी होती है। जनसंख्या वृद्धि धीमी पड़ती है और धीरे-धीरे स्थिर हो जाती है। विकसित देशों जैसे जापान और यूरोपीय देशों में यह अवस्था देखी जाती है। यहाँ परिवार नियोजन, शिक्षा और महिलाओं की भागीदारी के कारण जन्म दर कम होती है।

इस प्रकार, जनसंख्या विस्फोट मध्यवर्ती अवस्था में अधिक दिखाई देता है। जनसंख्या संक्रमण समाज के आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य सुधारों के साथ जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने की प्रक्रिया को दर्शाता है। यह स्पष्ट करता है कि किसी भी समाज की जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म और मृत्यु दर के संतुलन पर निर्भर करती है और इसे सुधारात्मक उपायों के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रश्न 40. "परिवार सामाजिक संगठन की बुनियादी इकाई है"। परिवार की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: परिवार समाज की सबसे छोटी और बुनियादी इकाई है, जो सामाजिक जीवन के आधार और समाजीकरण की प्राथमिक इकाई के रूप में कार्य करता है। यह व्यक्ति को जन्म से लेकर सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक विकास में मार्गदर्शन देता है।

परिवार की कुछ प्रमुख विशेषताएँ :-

- **सामाजिक एकाई :** परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है। इसमें सदस्य आपसी सम्बन्ध, सहयोग और साझेदारी की भावना से जुड़े रहते हैं। उदाहरण के लिए, परिवार के सदस्य एक-दूसरे की मदद करते हैं और कठिन समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- **जन्म या वैवाहिक संबंध :** परिवार का निर्माण जन्म या विवाह के माध्यम से होता है। माता-पिता और बच्चे या पति-पत्नी और उनके संतानें एक संरचित संबंध के अंतर्गत रहते हैं। ये संबंध सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते हैं।
- **साझा उत्तरदायित्व :** परिवार में आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारियाँ साझा होती हैं। उदाहरण के लिए, माता-पिता बच्चों की देखभाल करते हैं और बड़े सदस्य परिवार की आर्थिक जरूरतों में योगदान देते हैं।
- **सामाजिक नियंत्रण :** परिवार बच्चों और नए सदस्यों में अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक नियमों का विकास करता है। यह प्रारंभिक समाजीकरण का माध्यम है, जिससे बच्चे सही और गलत के बीच फर्क समझते हैं।
- **भावनात्मक समर्थन :** परिवार अपने सदस्यों को प्रेम, सुरक्षा और मानसिक सहारा प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, बच्चे अपनी समस्याओं में माता-पिता से मार्गदर्शन पाते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकसित होता है।
- **सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण :** परिवार संस्कृति, रीति-रिवाज, मूल्य और परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित करता है। इससे समाज की सांस्कृतिक पहचान बनी रहती है और बच्चे अपने सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को समझते हैं।

इस प्रकार, परिवार केवल एक सामाजिक समूह नहीं है, बल्कि यह सदस्यों के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास, सामाजिक नियमों और संस्कृति को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही कारण है कि समाज में परिवार को सामाजिक संगठन की बुनियादी इकाई माना जाता है।

अथवा

नातेदारी व्यवहार या व्यवहार की निश्चित रीतियाँ नातेदारी समूह के साथ लागू होती हैं। नातेदारी की कुछ रीतियाँ जैसे परिहार, मातुल सम्बन्ध, पितृष्वसा अधिकार और अनुसंतति सम्बोधन के आधार पर नातेदारी व्यवहार की व्याख्या करें।

उत्तर: नातेदारी व्यवहार वह सामाजिक व्यवहार है जो नातेदारी समूह के भीतर लागू होता है। यह व्यवहार परिवार और विस्तारित परिवार के सदस्यों के बीच संबंध, अधिकार और जिम्मेदारियों को निर्धारित करता है। नातेदारी व्यवहार न केवल संबंधों को स्पष्ट करता है, बल्कि समाज में सामाजिक नियंत्रण और सहयोग बनाए रखने में भी मदद करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. परिहार : परिहार उन नियमों को कहते हैं जिनके अनुसार कुछ नातेदारों के साथ विशेष दूरी बनाए रखनी चाहिए। उदाहरण के लिए, बहन के पति (देवर) या सास-ससुर के साथ घुल-मिलकर व्यवहार सीमित रखा जाता है। यह सामाजिक सम्मान और व्यक्तिगत मर्यादा बनाए रखने के लिए आवश्यक माना जाता है।

2. मातुल सम्बन्ध : मातुल संबंध मातृ पक्ष के रिश्तों को दर्शाते हैं, जैसे मामा, मामी। इन रिश्तों में विशेष अधिकार और कर्तव्य होते हैं। उदाहरण के लिए, मामा अपने भतीजों-भतीजियों पर परामर्श और देखभाल का अधिकार रखते हैं। मातुल सम्बन्ध बच्चों के पालन-पोषण और सामाजिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. पितृष्वसा अधिकार : पितृष्वसा अधिकार पिता और पिता के पक्ष के संबंधों से जुड़े अधिकारों को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, वंश, संपत्ति और परिवार के नेतृत्व में पिता या पुरुष सदस्य का अधिकार। यह अधिकार संपत्ति और सामाजिक पदों के हस्तांतरण को सुनिश्चित करता है।

4. अनुसंतति सम्बोधन : अनुसंतति सम्बोधन नातेदारों को उनकी वंशानुक्रम और सामाजिक स्थिति के अनुसार सम्बोधित करने की रीति है। उदाहरण के लिए, दादा-दादी, चाचा-चाची, भाई-बहन जैसे सम्बोधन। यह व्यवहार परिवार और समुदाय में संबंधों और सामाजिक संरचना को स्पष्ट करता है।

इस प्रकार, नातेदारी व्यवहार और इसकी विशेष रीतियाँ समाज में **सदस्यों के बीच सामाजिक सहयोग, सम्मान और नियंत्रण** बनाए रखने में सहायक होती हैं। यह व्यवहार केवल व्यक्तिगत संबंध नहीं बल्कि सामाजिक संरचना का भी आधार है।

"वैकल्पिक मॉड्यूल-I"
(महिलाओं का सामाजिक स्तर)

प्रश्न 41. उस सुधारक का नाम बताइए जिसका नाम 1929 के बाल विवाह निषेध अधिनियम से जुड़ा है :

(A) राजा राम मोहन राय

(B) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

(C) हरबिलास शारदा

(D) दयानंद सरस्वती

उत्तर - (C) हरबिलास शारदा

प्रश्न 42. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद घोषित करता है कि राज्य किसी नागरिक के खिलाफ केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(A) अनुच्छेद - 14

(B) अनुच्छेद - 15(1)

(C) अनुच्छेद - 14(1)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (B) अनुच्छेद - 15(1)

प्रश्न 43. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द बच्चे के जन्म के दौरान माताओं की मृत्यु को संदर्भित करता है?

(A) शिशु हत्या

(B) भ्रूण हत्या

(C) मातृ मृत्यु दर

(D) मृत्यु दर

उत्तर - (C) मातृ मृत्यु दर

प्रश्न 44. भारत का लिंग अनुपात 1901 में प्रति 1000 पुरुषों पर 972 महिलाएँ और 1991 में यह घटकर _____ प्रति 1000 हो गया था।

उत्तर - 927 प्रति 1000

प्रश्न 45. _____ काल के दौरान सती प्रथा, बाल विवाह या विधवा पुनर्विवाह प्रतिबंध जैसी कुप्रथाएँ नहीं थीं।

उत्तर - प्रारंभिक वैदिक काल

प्रश्न 46. समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर - (एक शब्द में परिभाषित करें)

उत्तर - लैंगिकता

प्रश्न 47. नारीवादी विश्वास करते हैं कि महिलाओं की जैविक संरचना ही उनकी क्षमता निर्धारित करती हैं। (सही/गलत)

उत्तर - गलत ❌ (महिलाओं की क्षमताएँ उनकी जैविक संरचना से नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और अवसरों से निर्धारित होती हैं।)

प्रश्न 48. संगठित और असंगठित क्षेत्रों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: संगठित क्षेत्र वह क्षेत्र है जहाँ रोजगार सरकार के नियमों और कानूनों के अंतर्गत होता है। यहाँ काम करने वाले कर्मचारियों को निश्चित वेतन, कार्य समय, छुट्टियाँ, भविष्य निधि, पेंशन, बीमा और अन्य सामाजिक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सुरक्षा सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। सरकारी कार्यालय, बैंक, बड़ी फैक्ट्रियाँ और निजी कंपनियाँ संगठित क्षेत्र के उदाहरण हैं।

इसके विपरीत, **असंगठित क्षेत्र** में काम करने वाले श्रमिकों को कानूनी सुरक्षा और स्थायी सुविधाएँ प्राप्त नहीं होतीं। यहाँ काम अनिश्चित होता है, वेतन कम और अस्थिर होता है तथा छुट्टी, पेंशन या बीमा जैसी सुविधाएँ नहीं मिलतीं। खेतिहर मजदूर, घरेलू कामगार, रिक्शा चालक और छोटे दुकानदार असंगठित क्षेत्र के उदाहरण हैं।

अथवा

भारतीय संविधान ने एक ऐसी समाज व्यवस्था स्थापित करने की नींव डाली जिससे औरत व आदमी समान बन जायें। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों ने इसे किस प्रकार स्थापित किया है ?

उत्तर: भारतीय संविधान ने समाज में महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार और अवसर देने की नींव रखी। इसे लागू करने के लिए **नीति निर्देशक सिद्धांत (DPSP)** राज्य को निर्देश देते हैं कि वह कानून, नीतियाँ और कार्यक्रम बनाए जिससे लैंगिक भेदभाव समाप्त हो।

राज्य की जिम्मेदारी में शामिल हैं: शिक्षा में समान अवसर, रोजगार और वेतन में समानता, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना। इसके अलावा, महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन रोकना और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाना भी शामिल है।

इस प्रकार, नीति निर्देशक सिद्धांत समाज में **समानता और न्याय** स्थापित करने का मार्ग दिखाते हैं और महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर और अधिकार सुनिश्चित करते हैं।

प्रश्न 49. कानूनों की एक श्रृंखला ने वास्तव में महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव लाने का मार्ग प्रशस्त किया है। उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पारित किए गए किन्हीं पाँच कानूनों को सूचीबद्ध करें।

उत्तर: महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए पारित पाँच प्रमुख कानून:

1. **बाल विवाह निषेध अधिनियम, 1929** – बाल विवाह पर रोक और विवाह की न्यूनतम आयु तय करना।
2. **दहेज निषेध अधिनियम, 1961** – दहेज प्रथा और उससे संबंधित अपराधों पर प्रतिबंध।
3. **महिला समान वेतन अधिनियम, 1976** – समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013** – कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा।

5. **भारतीय दंड संहिता में संशोधन, 2013** – घरेलू हिंसा और बलात्कार से महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाना।

ये कानून महिलाओं को **समान अधिकार, सुरक्षा और सामाजिक न्याय** दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अथवा

भारतीय इतिहास के आधुनिक काल में महिलाओं की स्थिति का वर्णन करें।

उत्तर: आधुनिक काल में भारतीय महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ। सामाजिक सुधारकों और आंदोलनों के कारण **सती प्रथा, बाल विवाह और विधवा पुनर्विवाह पर रोक** लगी। महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलने लगे, जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनीं।महिलाओं ने राजनीति, साहित्य और स्वतंत्रता संग्राम में भी योगदान दिया। उदाहरण के लिए, रानी लक्ष्मीबाई और झलकारी बाई ने राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया।

इस प्रकार, आधुनिक काल ने महिलाओं को **शिक्षा, अधिकार और सामाजिक अवसर** दिए, जिससे उनकी स्थिति में सुधार हुआ और वे समाज में सशक्त भूमिका निभाने लगीं। हालांकि पारंपरिक जिम्मेदारियाँ और सामाजिक भेदभाव बने रहे, जिससे पूर्ण समानता अभी भी चुनौतीपूर्ण थी।

"वैकल्पिक मॉड्यूल-II"
(भारतीय संस्कृति)

प्रश्न 41. उस तथ्य की पहचान करें जो इस बात का समर्थन करता है कि लोगों की सांस्कृतिक प्रकृति में समय एक निर्धारक कारक है:

((A) सर्दियों में गर्म कपड़े पहनना

(B) लगभग 200 वर्ष पहले कोई रेलवे नहीं थी

(C) लगभग 3 दशक पहले लोग कम्प्यूटर के संपर्क में नहीं थे

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

प्रश्न 42. निम्न के आधार पर सही विकल्प को पहचानिए :

दावा (A) : भारतीय समाज में, अनुष्ठानों पर विशेष बल है।

कारण (R) : धार्मिक प्रथाएँ और मूल्य लगातार समन्वय अर्थात् तालमेल और सद्भाव की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

(A) (A) सही लेकिन (R) गलत

(B) (A) गलत लेकिन (R) सही

(C) दोनों (A) और (R) सही

(D) दोनों (A) और (R) गलत

उत्तर - (A) (A) सही लेकिन (R) गलत

(भारतीय समाज में अनुष्ठानों का महत्व सच है, लेकिन धार्मिक प्रथाएँ केवल समन्वय की दिशा में ही नहीं बल्कि कई अन्य उद्देश्यों के लिए भी होती हैं।)

प्रश्न 43. 20 वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिश शासन के दौरान, विशिष्ट वास्तुशिल्प विद्यालय का उदय हुआ। निम्नलिखित में से पहचाने:

(A) पुनरुत्थानवादी स्कूल

(B) सारनाथ स्कूल

(C) प्रगतिशील और आधुनिक स्कूल

(D) दोनों (A) और (C)

उत्तर - (D) दोनों (A) और (C)

प्रश्न 44. अजन्ता और ऐलोरा की गुफाओं की दीवारों एवं छतों पर बनी _____ चित्रात्मक कलाएँ दिखाई देती हैं।

उत्तर - भित्ति चित्र

प्रश्न 45. वे प्रतिबंध या रोक जो समाज द्वारा स्वीकृत नहीं हैं _____ (विधि/वर्जित/बल) कहलाते हैं।

उत्तर - वर्जित

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 46. भवनों के मानचित्र बनाने और भवन निर्माण की कला कहलाती है - (एक शब्द में बताइए)

उत्तर - वास्तुकला

प्रश्न 47. संस्कृति मानव प्रजाति के लिए अद्वितीय है।

उत्तर - सही ✅

प्रश्न 48. मुगल साहित्य के महान संरक्षक थे। उदाहरण सहित चर्चा करें।

उत्तर - मुगल सम्राट साहित्य के बड़े संरक्षक थे। अकबर के दरबार में फारसी और संस्कृत साहित्य को प्रोत्साहन मिला, जहाँ जाफर, अबुल फज़ल जैसे विद्वानों ने इतिहास और साहित्य में योगदान दिया। शाहजहाँ और औरंगज़ेब के समय भी काव्य, नाटक और धार्मिक ग्रंथों का संरक्षण हुआ। मीर तकी मीर, मीराबाई, और मुमताज़ महल के समकालीन कवियों ने भी मुगल सम्राटों के संरक्षण में अपनी रचनाएँ प्रस्तुत की।

अथवा

भारतीय सांस्कृतिक विरासत इतनी समृद्ध और विविधतापूर्ण कैसे मानी जाती है ?

उत्तर - भारतीय सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है, क्योंकि यहाँ भाषा, धर्म, कला, संगीत, नृत्य और रीति-रिवाजों की अनगिनत परंपराएँ प्रचलित हैं। प्रत्येक क्षेत्र और समुदाय की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है, जो देश की सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को दर्शाती है। इन सभी विविधताओं के संगम से भारतीय संस्कृति बहुरंगी, जीवंत और समृद्ध बनती है, और यह समाज के मूल्य, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को संरक्षित रखती है।

प्रश्न 49. संस्कृति क्या है? संस्कृति के दो व्यापक घटकों की व्याख्या करें।

उत्तर - संस्कृति वह संपूर्ण ज्ञान, विश्वास, कला, कानून, नैतिकता, रीति-रिवाज, परंपराएँ और जीवन जीने का तरीका है, जिसे मनुष्य समाज से सीखता और अपनाता है। यह व्यक्ति के व्यवहार, सोच और समाज के विकास को प्रभावित करती है।

संस्कृति के दो व्यापक घटक:

1. **सामग्रीक घटक:** इसमें समाज द्वारा निर्मित भौतिक वस्तुएँ शामिल होती हैं, जैसे मकान, वाहन, उपकरण, पोशाक, कला आदि। ये घटक समाज की भौतिक और तकनीकी प्रगति को दर्शाते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **असामग्रीक घटक:** इसमें ज्ञान, विश्वास, धर्म, नैतिक मूल्य, भाषा, परंपराएँ और सामाजिक नियम शामिल हैं। ये घटक व्यक्ति के विचार, व्यवहार और सामाजिक संबंधों को आकार देते हैं।

अथवा

संस्कृति एक सीखा हुआ व्यवहार कैसे है ? संस्कारीकरण से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर - संस्कृति एक **सीखा हुआ व्यवहार** है क्योंकि व्यक्ति इसे जन्म से प्राप्त नहीं करता, बल्कि अपने जीवन के दौरान समाज से सीखता है। परिवार, विद्यालय, मित्र-समूह, धर्म और समाज के संपर्क में आकर व्यक्ति भाषा, रीति-रिवाज, मूल्य, विश्वास और व्यवहार के तरीके अपनाता है। उदाहरण के लिए, अभिवादन करना, भोजन करने के तरीके या पहनावा समाज से सीखकर ही आते हैं।

संस्कारीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने समाज की संस्कृति को सीखता, समझता और आत्मसात करता है। इसके माध्यम से व्यक्ति सामाजिक मानदंडों के अनुसार व्यवहार करना सीखता है और समाज का एक सक्रिय सदस्य बनता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success